

डांडिया और गरबा के नाम पर करोड़ों का कारोबार! टिकटों की बिक्री से आयोजकों की चांदी, सरकारी खजाना खाली? जीएसटी विभाग और नगर निगम की राजस्व वसूली पर उठे सवाल, टिकटों की बिक्री और आयोजनों की कमाई की जांच की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नवरात्रि के दौरान डांडिया और गरबा के नाम पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रमों में लाखों-करोड़ों रुपये के कारोबार की संभावनाओं के बीच अब सरकारी राजस्व को लेकर सवाल उठने लगे हैं। महंगे टिकट, आकर्षक मंच, प्रायोजक कंपनियों और हजारों की भीड़ वाले आयोजनों में जमकर कमाई होने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि इस कारोबार से सरकार को कितना राजस्व प्राप्त हो रहा है? टिकट बिके करोड़ों के, सरकारी खजाने में कितना आया? डांडिया और गरबा आयोजनों के टिकटों की बिक्री से बड़ी रकम जुटाए जाने की चर्चा है। ऐसे में जीएसटी विभाग वगी भूमिका और

दशहरे पर प्रयाग केमिस्ट्र एंड इगिस्ट्र एसोसिएशन की अनूठी पहल,लीडर रोड पर खुलीं दवा दुकानें, रिटेलरों को मिली बड़ी राहत!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) विशेष बैठक में व्यापारियों के बीच यह आम सहमति बनी कि व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान खोलकर रिटेलरों तक



वितरण प्रणाली को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से प्रयाग केमिस्ट्र एंड इगिस्ट्र एसोसिएशन ने विजयादशमी (दशहरे) के पावन अवसर पर एक विशेष और सराहनीय व्यवस्था की। एसोसिएशन के चेंबरमैन परमजीत सिंह बग्गा की अगुवाई और आयोजक प्रेमचंद गुप्ता के संयोजन व मार्गदर्शन में लीडर रोड स्थित सैकड़ों दवा दुकानें खुली रहीं, जिससे क्षेत्रीय रिटेलरों को आवश्यक दवाइयां प्राप्त करने में काफी सहजता और सुगमता हुई। बैठक में बनी सर्वसम्मति:-एसोसिएशन की एक

कारण रिटेलरों को आपातकालीन और अति-आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में दवा आपूर्ति बिल्कुल प्रभावित न हो, इसके लिए दुकानें खुली रखना अत्यंत आवश्यक था। व्यापारियों की एकजुटता और सेवा भावना:-चेंबरमैन परमजीत सिंह बग्गा के कुशल नेतृत्व और आयोजक प्रेमचंद गुप्ता के सफल संयोजन में लीडर रोड के सैकड़ों दवा व्यापारियों ने एकजुटता का परिचय दिया। दशहरे का पावन पर्व होने के बावजूद सभी

दवाइयों की सहज पहुंच सुनिश्चित की। सराहनीय कार्य:-चेंबरमैन परमजीत सिंह बग्गा की इस अगुवाई और सभी दवा व्यापारियों के इस सेवाभावी सहयोग की सर्वत्र सराहना की जा रही है। इस सराहनीय पहल से त्योहार के दिन भी रिटेलरों को बिना किसी परेशानी के सभी आवश्यक दवाइयां समय पर उपलब्ध हो सकीं, जिससे उन्हें बहुत बड़ी राहत मिली। हमारा सदैव यही प्रयास है कि त्योहारों के दौरान भी दवा आपूर्ति श्रृंखला बाधित न हो और सभी रिटेलरों को सुगमता से दवाई मिलती रहे।

बहन बोली- भाभी बिना नहाए खाना बनाती थी,बहू का जवाब-ससुर मेरे पिता जैसे थे लखीमपुर में बेटे ने मां-बाप को जिंदा जलाया था

लखीमपुर-खीरी। मेरी भाभी नहाकर खाना नहीं बनाती थी। हमारे यहां खाना नहाकर ही बनाया जाता है। मेरी मां भाभी को टोकती थी, तो वो भैया से शिकायत कर देती थी। घटना वाले दिन भी भाभी ने सुबह की बनी मशरूम की सब्जी पापा को दे दी, तो मां ने गुस्सा किया था। मुझे लगता है कि मेरे भैया बेकसूर हैं। भाभी ने ही मां-पिता को आग लगाई है।' यह कहना है लखीमपुर की उस महिला का, जिसके मां-पिता को पेट्रोल डालकर जला दिया गया। मंगलवार (20 अक्टूबर) को पिता की मौत हो गई, जबकि मां गंभीर हैं। वहीं, बहू का कहना है कि मेरे पिता नहीं हैं, मैं ससुर को ही पिता मानती थी। मेरा उनसे कभी झगड़ा तक नहीं हुआ। वहीं, मरने से पहले पिता ने बेटे पर आरोप लगाया था। पुलिस ने बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। मामला निघासन कोतवाली क्षेत्र का है। घरवालों से बात कर पूरा मामला समझा गया तो सामने आया चखरा गांव में बलराम शाह (60) पत्नी बैजंती (58) के साथ रहते थे। मकान के आधे हिस्से में उनका इकलौता बेटा सपालू (30) पत्नी छाया (28) के साथ रहता है। सपालू और छाया की शादी 11 साल पहले हुई थी। दोनों के 3 बच्चे हैं। वहीं, बलराम की 3 बेटियां पुनम, ममता, नील भी हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। बलराम परिवार का भरण-पोषण करने के लिए गांव के चौराहे पर टिक्वी-स्मोसे बेचते हैं। सपालू भी उसी चौराहे पर मोमोज की दुकान लगाता है। दोनों की दुकानें अलग-अलग हैं और घर से करीब 100 मीटर दूर हैं। बेटे-बहू का मां-पिता से होता था झगड़ा:-



ख बैजंती है, जिन पर उनके बेटे ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। बैजंती की बहन गंभीर है

उसे दूर रहने के लिए कहा, तो वह उनसे भी उलझ गया। बलराम बेटे को रोकने लगे। इस पर उसने पिता को धक्का दे दिया। इसके बाद गुस्से में बाहर खड़ी अपनी बाइक के पास गया और उससे पेट्रोल निकाल लाया। उसने छप्पर के नीचे खड़े माता-पिता पर पेट्रोल उड़ेल दिया और माचिस से आग लगा दी। इसमें बलराम की मौत हो गई, जबकि बैजंती का प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बेटे सपालू को गिरफ्तार कर लिया है। बलराम की बेटी ममता ने बताया- मेरी भाभी और मां का झगड़ा होता था। हादसे के बाद मां से मेरी बात हुई है। घटना वाले दिन मां ने लोबिया की सब्जी बनाई थी। भाभी ने मशरूम की सब्जी और चावल बनाया था। शाम को पिताजी ने भाभी से कहा कि कोई रस्ते वाली सब्जी हो तो दे दो। हम उससे रोटी खा लें। सूखी सब्जी से रोटी चल नहीं

ससुर-सास और पति के लिए खाना नहाकर ही बनाया जाता है। इसके बाद भाभी ने पता नहीं भइया को क्या पढ़ाया? एक घंटे बाद आग लगा दी गई। पता नहीं भाई ने आग लगाई है या भाभी ने? मुझे तो मेरा भाई एकदम बेकसूर लग रहा है। अगर उसने आग लगाई होती, तो बुझाने की कोशिश क्यों करता? आग बुझाने में उसका हाथ भी झुलस गया है। पहले भी मां और भाभी का झगड़ा हुआ था, तो उन्होंने धमकी दी थी। पड़ोसियों के सामने भाभी ने कहा था कि हम तुमको जला देंगे। मेरा भाई मजदूरी भी करता है। अक्सर वो कमाने के लिए बाहर भी चला जाता था। भाभी का किसी दूसरे आदमी से संबंध भी है। मुझे लगता है कि भाभी ने ही ये आग लगाई है। बहू छाया ने बताया- शादी के बाद से मेरे पिता नहीं हैं। अपने सास-ससुर को ही माता-पिता मानती थी। घर में कभी झगड़ा नहीं हुआ।

आर.डब्ल्यू.ए का शपथग्रहण समारोह संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर अल्फा 2 ग्रेटर क्षेत्रवासियों ने नवनिर्वाचित सेक्टर अल्फा-2 आर.डब्ल्यू.ए



नोएडा के सामुदायिक केंद्र पर शपथ ग्रहण समारोह हेतु सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, विधायक तेजपाल नामर, रिटयर्ड डीआईजी साहिब, बार अध्यक्ष मनोज भाटी, कांग्रेस साहिब एवं पुलिस प्रशासन, पूर्व अध्यक्ष जीतेन्द्र मावी, अरुण गौड़, संजीव सलवान, बिट्टू भाटी, प्रमोद भाटी अनुज कुमार पाण्डेय समस्त सेक्टर वासी अल्फा-2 एवं

अध्यक्ष देवेश मावी, महासचिव स स त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष रमाशंकर एवं उनके समस्त पैनल की शानदार विजय पर भगवान परशुराम जी की प्रतिमा माल्यार्पण पटका एवं पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ और आशीर्वाद दिया और आशा जताई की सेक्टर का कार्य सुचारु रूप से चलेंगे।

जिलाधिकारी मेधा रूपम को जन्मदिन पर युवा व्यापार मंडल ने दी बधाई,विकास जैन ने की कार्यशैली की सराहना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम के जन्मदिन के अवसर पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने जिलाधिकारी की कार्यशैली की सराहना करते हुए उन्हें निष्पक्ष, निडर और जनहित के प्रति समर्पित प्रशासनिक अधिकारी बताया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल और शिवा चौहान शामिल रहे। इस अवसर पर गौतम बुद्ध नगर के एसडीएम अभयेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। निष्पक्ष और निडर कार्यशैली की सराहना-विकास जैन ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी की वास्तविक पहचान उसके निर्णयों, कार्यशैली और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता से होती है। मेधा रूपम की कार्यशैली और दृढ़ निर्णय क्षमता समाज के

लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि सशक्त एवं निर्भीक नेतृत्व के माध्यम से जनसमस्याओं के समाधान और जिले के विकास को नई दिशा दी जा सकती है। जैन ने कहा, 'आप जैसी सशक्त और निडर महिला अधिकारी जिस क्षेत्र में कार्य करती हैं, वहां जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं बनती हैं। आपके कार्यों की हम भूरी-भूरी प्रशंसा करते हैं। आपका व्यक्तित्व और प्रशासनिक दृष्टिकोण समाज को सकारात्मक दिशा देने की प्रेरणा देता है।

’ उन्होंने जिलाधिकारी के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा और जिले के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करती रहेंगी। इस अवसर पर व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाजपा के लिए राजा भैया क्यों अहम्,कुंडा में क्षत्रिय 6फीसदी, दलित 26फीसदी फिर भी 33 साल से विधायक

लखनऊ। राजा भैया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की मुलाकात की खूब चर्चा हो रही है। इसे हालिया एमएलसी चुनाव में समर्थन

नेटवर्क से तुरंत मदद चाहिए, जिससे चुनाव जीता जा सके। सीधे शब्दों में कहें तो भाजपा यह अच्छी तरह समझ रही है कि यूपी की गद्दी पर दोबारा

भाजपा के पाले में लाने के लिए एक 'बफर' (मध्यस्थ) का काम करता है। सीधी बात यह है कि इस पढ़े-लिखे वर्ग के चुनाव में राजा भैया भाजपा के लिए 'वोट



जुटाने से जोड़ा जा रहा है। राज्यसभा चुनाव या एमएलसी चुनाव हो, राजा भैया बिना शर्त भाजपा को समर्थन देते रहे हैं। इस मुलाकात के मायने क्या है? भाजपा को अचानक राजा भैया की जरूरत क्यों पड़ी? इसके पीछे फौरी तौर पर इसके पीछे दो वजहें नजर आ रही-पहली वजह-लोकसभा चुनाव के नुकसान की भरपाई-2024 में भाजपा के प्रतापगढ़ और कौशांबी लोकसभा सीट हारने के पीछे राजा भैया की नाराजगी बताई जाती है। तब भाजपा की सहयोगी अपना दल की मुखिया अनुप्रिया पटेल ने प्रतापगढ़ में एक रैली में कहा था- अब राजा मां की कोख से जन्म नहीं लेते, जनता राजा चुनती है। इसे राजा भैया से जोड़कर देखा गया। इस पर राजा भैया ने खुलकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उनके समर्थकों में खासी नाराजगी थी। कहा यह तक जाता है कि अनुप्रिया पटेल को चुनाव हराने की कोशिश थी, लेकिन वे जीत गईं। वहीं, कौशांबी सीट पर सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज निजी रूप से राजा भैया से मिले थे। राजा भैया अखिलेश यादव से नाराज थे, लेकिन पुष्पेंद्र को निजी रिश्तों के तहत समर्थन दिया था। पुष्पेंद्र ने भाजपा के निनाद सोसकर को 1 लाख से ज्यादा वोट से हराया था। प्रतापगढ़ और कौशांबी में 10 विधानसभा सीटें हैं। इसके अलावा राजा भैया का राजनीतिक प्रभाव अवध और पूर्वांचल के करीब 12 जिलों में है। इनमें प्रयागराज, कौशांबी, जौनपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली और गोंडा जैसे जिले शामिल हैं। राजा भैया के साथ आने से इन 50-60 सीटों पर भाजपा को फायदा होगा।

मजबूती से बैठने के लिए उन्हें अपने पुराने और कढ़ावर साथियों को सिर्फ 'मन से साथ' रखने के बजाय औपचारिक रूप से 'मंच पर साथ' लाना होगा। इसी मजबूरी और चुनावी गुणा-गणित के कारण भाजपा को अचानक राजा भैया की याद आई है। सवाल 2: एमएलसी चुनाव विधायक कोटे से नहीं हो रहा तो राजा भैया भाजपा के काम कैसे आएंगे? जवाब: एमएलसी चुनाव में भाजपा के लिए राजा भैया की अहमियत 4 पॉइंट में समझी जा सकती है-(ए) कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों पर सीधा असर- अवध और पूर्वांचल के कई जिलों में राजा भैया के करीबियों के कई बड़े इंटर कॉलेज और डिग्री कॉलेज हैं। इन संस्थानों में काम करने वाले शिक्षक और वहां से निकले युवा (स्नातक) सीधे तौर पर राजा भैया से जुड़े हैं। राजा भैया का समर्थन इन शिक्षक और युवा वोटरों के रुख को भाजपा के पक्ष में मोड़ने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। (बी) वोटरों को बूथ तक लाने वाली मजबूत मशीनरी-स्नातक और शिक्षक एमएलसी चुनाव में सबसे बड़ी कुंजी होती है वोटरों को घरों से निकालकर पोलिंग बूथ तक ले जाना। क्योंकि, इसमें वोटिंग का प्रतिष्ठान अक्सर कम रहता है। राजा भैया के कार्यकर्ताओं का नेटवर्क भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोटरों को बूथ तक पहुंचाने (वोटर मोबिलाइजेशन) का काम आसानी से कर सकता है। (सी) इलाहाबाद-झांसी और वाराणसी जैसे खंडों में प्रभाव- इस बार जिन सीटों पर चुनाव हो रहे, उनमें इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक और वाराणसी खंड जैसी सीटें शामिल हैं। प्रतापगढ़ और प्रयागराज का इलाका सीधे



राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि 2027 विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए काफी कठिन होने वाला है। 10 साल की एंटी इंकैंबेंसी के साथ ही चढ़ावा चोरी, यू.जी.सी.-सवर्ण विवाद, एसआईआर-वोट चोरी जैसे कई मुद्दे हैं।

ऐसे में भाजपा कोई 'इफ-बट' वाली स्थिति नहीं छोड़ना चाहती कि ऐसा कर लिया होता तो बेहतर होता। दूसरी वजह-23 अक्टूबर का शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव-18 अक्टूबर को यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी का अचानक राजा भैया के घर जाना सिर्फ 2027 के लिए नहीं था।

23 अक्टूबर को ही विधान परिषद की 11 सीटों के लिए स्नातक और शिक्षक कोटे का चुनाव होना है। इन चुनावों में सरकारी नीतियों से नाराज पढ़े-लिखे युवा और शिक्षक सपा को वोट दे सकते हैं। प्रतापगढ़, प्रयागराज और वाराणसी खंड जैसी सीटों पर राजा भैया का बड़ा नेटवर्क है। भाजपा को इस

उन्होंने एक खुला पत्र लिखकर 'अन्याय और अपमान के खिलाफ' वोट देने की अपील की। इसे सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में भाजपा को राजा भैया का समर्थन मिलने से इस पूरी बेल्ट के सर्वर्ण और युवा वोटरों को साधा जा सकेगा। पढ़े-लिखे सर्वर्णों और युवाओं की नाराजगी दूर करना- अक्सर पुरानी पेंशन योजना (ओपीएन) और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर शिक्षक और युवा भाजपा से नाराज रहते हैं। वे सपा की तरफ झुकवा दिखाते हैं। राजा भैया की छवि सर्वर्णों और युवाओं के बीच मजबूत रही है। भाजपा के साथ उनका दिखना इन नाराज वोटरों के गुस्से को शांत करने और उन्हें

दिलाने वाले बड़े माध्यम' (इन्फ्लुएंसर) हैं। जो अपने रसूख से भाजपा उम्मीदवारों की राह आसान कर सकते हैं। सवाल 3: जब राजा भैया का झुकाव भाजपा की तरफ है, तो गठबंधन की क्या जरूरत? जवाब: बात बिल्कुल सही है कि राजा भैया का झुकाव भाजपा की तरफ ही देखा जाता है। लेकिन, मन से साथ होने और ऑफिशियल गठबंधन में बहुत फर्क होता है। राजनीति में बिना गठबंधन के सिर्फ दोस्ती से काम नहीं चलता। इसकी 3 बुनियादी वजह हैं-(ए) वोटरों के बीच का कंप्यूजन खत्म होगा- अगर गठबंधन नहीं होता है, तो राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) अवध और पूर्वांचल की कई सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। राजा भैया और भाजपा दोनों के वोटर लगभग एक ही हैं- सर्वर्ण और राजपूत। ऐसे में जब दोनों अलग-अलग लड़ेंगे, तो वोट बंटेंगे। इसका सीधा फायदा सपा-कांग्रेस गठबंधन को होगा। लेकिन, भाजपा और राजा भैया के बीच औपचारिक गठबंधन से सीटों की साझेदारी होगी और वोटों का बंटवारा रुकेगा। गठबंधन होने से यह तय हो जाता है कि कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। जैसे भाजपा राजा भैया की पार्टी के लिए कुंडा, बाबागंज या आस-पास की कुछ छोड़ देगी। वहां अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। बदले में राजा भैया बाकी की सभी सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों को जिताने के लिए जी-जान लगा देंगे। बिना गठबंधन के यह तालमेल होना नामुमकिन है। (बी) जीतनी कार्यकर्ताओं की खींचतान रोकना- नेताओं के बीच रिश्ते कितने भी अच्छे हों, लेकिन जब तक गठबंधन का आधिकारिक ऐलान नहीं होता, तब तक कार्यकर्ता एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते हैं। गठबंधन होने के बाद दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता साथ मिलकर एक ही उम्मीदवार के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। उसे जिताने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव इस समय 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का नारा देकर चुनाव लड़ रहे हैं। वे कोशिश कर रहे हैं कि भाजपा के पारंपरिक सर्वर्ण वोट बैंक को तोड़कर अपनी तरफ लाया जाए। राजा भैया के भाजपा के साथ आने से सर्वर्णों का यह वोट बैंक एक दीवार की तरह मजबूत हो जाएगा, जिसे तोड़ना विपक्ष के लिए मुश्किल होगा। (सी) पूरे प्रदेश में बड़ा संदेश जाएगा-जब 2 बड़े नेता टीवी और अखबारों के सामने हाथ मिलाकर गठबंधन का ऐलान करते हैं, तो उसका असर सिर्फ उनके गृह जिले में नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के ठाकुर और सर्वर्ण समाज पर पड़ता है।

इससे सर्वर्ण समाज में यह संदेश जाता है कि उनकी अपनी मनपसंद ताकतें अब एक साथ आ चुकी हैं। इससे मतदाताओं का मनोबल बढ़ता है। यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाद क्षत्रिय समाज में बृजभूषण शरण सिंह और राजा भैया की बड़ी इज्जत है। बीते कुछ समय में स्थानीय मुद्दों की वजह से क्षत्रिय भाजपा से दूर होते दिखते हैं। अगर राजा भैया भाजपा के साथ मंच पर खड़े हो जाते हैं, तो ठाकुर और अन्य सर्वर्ण मतदाताओं की नाराजगी काफी हद तक कम हो जाएगी। उनका वोट एकमुश्त होकर भाजपा के खाते में आ जाएगा।

नोएडा पुलिस किसानों को उठाकर ले गई, महिलाओं को वैन में डाला-यमुना प्राधिकरण घेरने जा रहे थे

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में बुधवार को किसान और पुलिस की भिड़ंत हो गई। धक्का-मुक्की के बीच पुलिस प्रदर्शन कर रहे महिलाओं-पुरुषों

शुरू किया जाएगा। किसानों ने तय किया था कि मांगों का ठोस समाधान होने तक महापड़ाव जारी रहेगा। किसान संघर्ष मोर्चा के वरिष्ठ नेता सुखबीर खलीफा



को टांग कर ले गई। किसान जमीन का सही मुआवजा देने की मांग को लेकर यमुना प्राधिकरण पर धरना देने जा रहे थे। पुलिस ने किसानों को प्राधिकरण से करीब 1 किमी पहले एफएनजी मॉल के सामने रोक लिया। कई किसानों को हिरासत में लिया गया है। इसके बाद पुलिस ने महिलाओं-पुरुषों को घसीटकर वैन में भर दिया।

ने बताया कि मोर्चा 17 जुलाई से लगातार आंदोलन चला रहा है। इसके बाद 17 अगस्त और 9 से 16 सितंबर तक भी आंदोलन किया गया। इस दौरान किसानों ने गिरफ्तारियां दीं। तीनों प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ कई दौर की वार्ता भी हुई। इसके बावजूद 10फीसदी विकसित प्लॉट की मांग पर अब तक कोई ठोस समाधान नहीं



किसान नेता सुखबीर खलीफा और रुपेश वर्मा ने बताया कि हम लोग 10फीसदी विकसित प्लॉट, 64फीसदी अतिरिक्त मुआवजे और आबादी से जुड़े मामलों को निपटाने की मांग कर रहे हैं। प्राधिकरण पहुंचने से पहले ही किसानों को रोक-किसानों का कहना है कि उन्हें अब तक 10फीसदी विकसित प्लॉट और 64फीसदी अतिरिक्त मुआवजा नहीं मिला है। आबादी से जुड़े कई मामले भी लंबित हैं। इन मांगों को लेकर किसान लंबे समय से प्राधिकरण से समाधान की मांग कर रहे हैं। इसी के विरोध में बुधवार को धरना देने का ऐलान किया गया था। धरने में शामिल होने के लिए किसान जुट रहे थे। वे प्राधिकरण कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगें उठाना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। कई किसानों को हिरासत में भी लिया गया। हालांकि, कितने किसानों को हिरासत में लिया गया और उन्हें कहां ले जाया गया, यह अभी पता नहीं चल पाया है। 8 अक्टूबर को सेक्टर-144 में पेमे चौहान के आवास पर किसान संघर्ष मोर्चा की बैठक हुई थी। इसमें किसान संगठनों के नेताओं ने फैसला लिया था कि 10फीसदी विकसित प्लॉट समेत किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर 21 अक्टूबर से यमुना प्राधिकरण पर अनिश्चितकालीन महापड़ाव

निकला है। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और किसान संघर्ष मोर्चा के नेता सोरन प्रधान ने बताया- पुलिस कमिश्नर और प्राधिकरण के अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया था कि 5 अक्टूबर तक शासन स्तर पर 10फीसदी प्लॉट के मुद्दे पर वार्ता कराई जाएगी। लेकिन, तय समय बीतने के बाद भी वार्ता नहीं हुई। इससे किसानों में नाराजगी बढ़ रही है। किसान सभा के जिलाध्यक्ष और किसान संघर्ष मोर्चा के नेता डॉ. रुपेश वर्मा ने बताया कि साल-2023 में 124 दिनों तक चले धरने के बाद तीनों प्राधिकरणों ने 10फीसदी विकसित प्लॉट का प्रस्ताव शासन की मंजूरी के लिए भेजा था।

हालांकि, अब तक शासन से मंजूरी नहीं मिली है। साल-2024 में भी बड़ी संख्या में किसानों ने गिरफ्तारी दी। आंदोलन जारी रखा, लेकिन मांगों का समाधान नहीं हुआ। पुलिस बोली- शांति बनाए रखने के लिए किसानों को हटायें-नोएडा पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर क्षेत्र में धारा 163 बीएनएसएस लागू है।

इसके बावजूद 30-35 लोग बिना इजाजत धरना-प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए थे। पुलिस ने उन्हें शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए वहां से हटा दिया।

बुलंदशहर के एडीएम की हार्ट अटैक के बाद मौत, दामाद मथुरा में एसडीएम, बेटी डॉक्टर

बुलंदशहर। बुलंदशहर के एडीएम न्यायिक भरतराम यादव की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मंगलवार रात 10 बजे लखनऊ

था। उन्हें एंबुलेंस से लाया गया था। हालांकि, डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। मूलरूप से फैजाबाद के रहने वाले भरतराम बुलंदशहर में दो बेटे हिमांशु यादव (56), दो बेटे हिमांशु यादव



के पीजीआई में अंतिम सांस ली। रविवार को बुलंदशहर में हार्ट अटैक के बाद उन्हें नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें ब्रेन हैमरेज भी हो गया था। तबीयत में सुधार नहीं होने पर मंगलवार सुबह भरतराम यादव (57) को लखनऊ पीजीआई में शिफ्ट किया गया

(26), सुभांशु यादव (22) हैं। हिमांशु सिविल इंजीनियर हैं, जिसका अयोध्या में बिजनेस है। छोटा बेटा सुभांशु यादव (22) सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहा है। बड़ी बेटी डॉ. नम्रता यादव हैं, जो पेशे से डॉक्टर हैं। नम्रता की शादी 2020 में मथुरा के एसडीएम अवनीश कुमार यादव के साथ हुई थी।

राफेल-सुखोई की गड़गड़ाहट से गूंजा वाराणसी का नमो घाट, 100 विमानों ने दिखाए करतब

वाराणसी। वाराणसी में बुधवार को एयर शो का ग्रैंड रिहर्सल हुआ। कमांडोज नमो घाट पर हेलिकॉप्टर से कूज पर उतरे। फिर कुछ ही देर में रस्सी से हेलिकॉप्टर पर चढ़कर लौट गए। राफेल और सुखोई जैसे



52 लड़ाकू विमानों की गर्जना से नमो घाट गूंज उठा। लड़ाकू विमानों ने गंगा नदी पर टच एंड गो (लो-लेवल फ्लाईपास्ट) कर लोगों को रोमांचित कर दिया। पूरे परिसर की निगरानी सीसीटीवी से की गई। दर्शकों को 3 लेयर की जांच के बाद एंट्री दी गई। एयर शो रिहर्सल में कुल 100 विमानों ने हिस्सा लिया। इनमें लड़ाकू विमानों के अलावा 15 परिवहन विमान, 32 हेलिकॉप्टर और विंटेज विमान सारनाथ शामिल हैं। ये विमान देशभर के 12 एयरपोर्ट से उड़ान भरकर पहुंचे थे। दरअसल, काशी में एयरफोर्स के 94वें स्थापना वर्ष पर एयर शो किया जा रहा है। यह तीन दिन 22, 23 और 25 अक्टूबर को होगा। 25 अक्टूबर एयर शो में पीएम मोदी भी पहुंचेंगे। पुलिस कमिश्नर मोहित

30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29, जगुआर और स्वदेशी एलसीए तेजस जैसे लड़ाकू विमान अपनी क्षमता दिखाया। परिवहन विमानों में सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130 और सी-295 शामिल हुए। वहीं, अपाचे, चिनुक, एलसीएच, एलएच और एमआई-17 वी5 जैसे हेलीकॉप्टर भी आसमान में दमखम दिखाया। सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम अपने करतबों से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। नमो घाट पर एयर शो के दौरान 'दशाश्व' फॉर्मेशन ने दर्शकों में रोमांच भर दिया। भारतीय वायुसेना के विशाल सी-17 ग्लोबमास्टर विमान ने 9 सूर्यकिरण हॉक विमानों का नेतृत्व करते हुए मुख्य मंच के ऊपर से शानदार फ्लाईपास्ट किया। गंगा

के ऊपर आसमान में विमानों की इस भव्य उड़ान को देखने के लिए घाटों पर मौजूद लोग उत्साहित नजर आए। वाराणसी के नमो घाट पर गंगा के ऊपर एयर शो के दौरान स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस ने अपने शानदार प्रदर्शन से लोगों का ध्यान खींचा। 'अस्सी' कॉलसाइन के साथ विमान ने कम ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए आसमान में अपनी ताकत और कलाबाजी का प्रदर्शन किया। गंगा के दोनों किनारों पर मौजूद लोगों ने विमान की गर्जना सुनते ही मोबाइल निकालकर इस रोमांचक नजारे को कैमरों में कैद किया। तेजस का प्रदर्शन भारत की स्वदेशी एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की क्षमता और लड़ाकू विमानन में बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक बना। गंगा के ऊपर इसकी उड़ान ने दर्शकों में उत्साह भर दिया। वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित एयर शो में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने गंगा के आसमान में अद्भुत प्रदर्शन किया। प्रचंड फॉर्मेशन में सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, जगुआर, मिराज-2000, एलसीए और मिग-29 सहित छह लड़ाकू विमानों ने तीर के अग्रभाग जैसे एरोहेंड फॉर्मेशन में उड़ान भरी।

विमानों की एक साथ सधी हुई उड़ान और आसमान में उनकी तेज गर्जना ने घाट पर मौजूद लोगों को रोमांचित कर दिया। गंगा के ऊपर इस शानदार नजारे को देखने के लिए लोग मोबाइल से तस्वीरें और वीडियो बनाते नजर आए। पूरा घाट तालियों से गूंज उठा।

न्याय पंचायत स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विकास क्षेत्र दीनशाह

ने 200 मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर की दौड़ में



गौरा के अंतर्गत थुलरई न्याय पंचायत स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन कम्पोजिट विद्यालय सूरजपुर बनापा में हुआ। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में बड़े ही उत्साह से प्रतिभाग किया। क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ गौरा अध्यक्ष शैलेश पांडे ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया। प्राथमिक स्तर की बालक वर्ग की दौड़ में नरेंद्र ने 50 मीटर, निखिल ने 100 मीटर और महेंद्र

रोहन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में 50 मीटर की दौड़ में रिया, 100 मीटर की दौड़ में रागिनी, 200 मीटर की दौड़ में दिव्या, 400 मीटर की दौड़ में रागिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर स्तर की दौड़ में बालक वर्ग में 100 मीटर में साहिल ने, 200 मीटर की दौड़ में शिवेंद्र, 400 मीटर की दौड़ में आदित्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में 100 मीटर की दौड़ में व 200 मीटर की दौड़ में रीना, 400

मीटर में माही ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग की प्राथमिक स्तर की कबड्डी में प्राथमिक विद्यालय थुलरई की टीम विजेता रही। प्राथमिक स्तर की खो-खो प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बनापा विजयी रही। गौरा अध्यक्ष शैलेश पांडे ने विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि छात्र-छात्राओं हेतु इस तरह की क्रीड़ा प्रतियोगिताएं उनके सर्वांगीण विकास के लिए बेहद आवश्यक होती हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक त्रिलोकी शरण सिंह ने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नोडल शिक्षक संकुल मनीष दीक्षित और अमित सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर गौरा मंत्री अखिलेश कुमार, एसआरजी सुनील यादव, राहुल मौर्य, अनूप सिंह, नीरज पाल, अंजना चंद्रा, रेखालता यादव, रीता बाजपेयी, अनूप कुमार, विजयलक्ष्मी मौर्य, कुंवरजी यादव, राहुल द्विवेदी, रोशन सिंह, सिद्धनाथ, धर्मेन्द्र कुमार, धीरेन्द्र कुमार, राजकुमार सिंह, वियत तिवारी, राजेंद्र निर्मल, रविंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

दी.एस.डी. विद्या स्कूल की ओर से सामाजिक सरोकार की अनूठी पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दी.एस.डी. विद्या स्कूल

लिप्या। इस अवसर पर डोनेशन ड्राइव, दीया सजाने की



सेक्टर 49 के विद्यार्थियों ने आज चैलेंजर्स की पाठशाला सेक्टर 22 का दौरा किया, जहाँ उन्होंने वंचित बच्चों के साथ खुशियों बाँटीं और विभिन्न गतिविधियों में भाग

गतिविधि, नृत्य और मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने एक-दूसरे के साथ समय बिताया, खुब मस्ती की और यादगार पल साझा किए।

मुस्कान ला सकती है। दी.एस.डी. विद्या स्कूल शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों और सेवा भावना के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।



विधान परिषद निर्वाचन-2026 के प्रभारी अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

डीएम ने निर्वाचन सामग्री प्राप्त करने की प्रक्रिया को पूरी सावधानी एवं जिम्मेदारी के साथ सम्पन्न कराने के लिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला

मतपेटियों को प्राप्त किए जाने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार



निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के लखनऊ खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को जनपद में निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में मतदान समाप्ति के उपरान्त की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में प्रभारी अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मतदान समाप्ति के पश्चात पोलिंग पार्टियों की वापसी होने पर उनके अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत निर्धारित व्यवस्था के अनुसार समस्त सांविधिक एवं असांविधिक लिफाफों, निर्वाचन अभिलेखों तथा सीलबंद

से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस कार्य के पर्यवेक्षण हेतु तैनात प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को जनपद में निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में मतदान समाप्ति के बाद पोलिंग पार्टियों से निर्वाचन संबंधी अभिलेखों एवं सामग्री को प्राप्त करना अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। इस दौरान विशेष सतर्कता बरतते हुए सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया जाए, ताकि निर्वाचन से संबंधित किसी भी प्रकार की सामग्री अथवा अभिलेख के संकलन में कोई त्रुटि न होने पाए। सभी प्रभारी अधिकारियों अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी

गंभीरता, तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने निर्देश दिए कि पोलिंग पार्टियों की वापसी के समय निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुरूप सामग्री एवं अभिलेखों को प्राप्त करने, उनका विधिवत सत्यापन करने तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुरक्षित रखे जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। सांविधिक एवं असांविधिक लिफाफों तथा सीलबंद मतपेटियों को प्राप्त करते समय विशेष सावधानी बरती जाए और सभी संबंधित कर्माचार्यों का नियमानुसार अभिलेखीकरण किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारी एवं कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतें। निर्वाचन की शुचिता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना सभी संबंधित अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने दायित्वों एवं कार्यप्रणाली की स्पष्ट जानकारी रखते हुए निर्वाचन संबंधी सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराएं।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के दृष्टिगत राजकीय इंटर कॉलेज का किया निरीक्षण

लखनऊ खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के लिए मतदान तैयारियों का लिया जायजा, 23 अक्टूबर को जनपद में होगा लखनऊ खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन का मतदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला

पोलिंग पार्टियों के लिए निर्धारित व्यवस्थाओं तथा निर्वाचन प्रक्रिया



निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के लखनऊ खण्ड स्नातक एवं

को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने

संबंधित अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ करें। उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जाए।

उल्लेखनीय है कि विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत लखनऊ खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए जनपद रायबरेली में 23 अक्टूबर 2026 को मतदान सम्पन्न कराया जाएगा।

22 अक्टूबर को राजकीय इंटर कॉलेज से रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को जनपद में निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से राजकीय इंटर कॉलेज का निरीक्षण कर निर्वाचन संबंधी तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मतदान कर्मिकों की रवानगी, सो

संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं, ताकि मतदान प्रक्रिया में किसी प्रकार की अस्वविधा न हो। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मतदान कर्मिकों की रवानगी के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखी जाएं तथा

मतदान के लिए निर्धारित पोलिंग पार्टियां 22 अक्टूबर 2026 को राजकीय इंटर कॉलेज से रवाना की जाएंगी। निरीक्षण के समय मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विधान परिषद चुनाव के मद्देनजर 22 अक्टूबर की रात 10 बजे से 23 अक्टूबर की शाम 5 बजे तक बंद रहेंगी शराब की दुकानें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला मजिस्ट्रेट सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 05 एवं खण्ड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जनपद रायबरेली में मतदान दिवस पर ड्राई डे घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर

प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में एवं उप सचिव, आबकारी अनुभाग, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में आबकारी अधिनियम-1910 की धारा 59 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किया गया है। इसके तहत 22 अक्टूबर 2026 की रात्रि 10:00 बजे से 23 अक्टूबर 2026 की सायं 5:00 बजे तक जनपद की समस्त आबकारी देशी मदिरा, कम्पोजिट शॉप, मॉडल शॉप, भांग, एफएल-

9/9ए, एफएल-7 बार, एवं एफएल-49 की फुटकर बिक्री की दुकानें तथा समस्त थोक अनुज्ञापनों (सीएल-2, एफिल-2 एवं एफएल-2बी) को पूर्णतः बंद रहेंगे। जिला मजिस्ट्रेट ने उक्त बंदी अवधि के लिए अनुज्ञापनों को किसी प्रकार का प्रतिफल देय नहीं होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं अनुज्ञापनों को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

न्याय पंचायत स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन (आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विकास क्षेत्र दीनशाह गौरा के अंतर्गत थुलरई न्याय पंचायत स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन कम्पोजिट विद्यालय सूरजपुर बनापा में हुआ। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में बड़े ही उत्साह से प्रतिभाग किया। क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ गौरा अध्यक्ष शैलेश पांडे ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया। प्राथमिक स्तर की बालक वर्ग की दौड़ में नरेंद्र ने 50 मीटर, निखिल ने 100 मीटर और महेंद्र ने 200 मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर की दौड़ में रोहन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में 50 मीटर की दौड़ में रिया, 100 मीटर की दौड़ में रागिनी, 200 मीटर की दौड़ में दिव्या, 400 मीटर की दौड़ में रागिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर स्तर की दौड़ में बालक वर्ग में 100 मीटर में साहिल ने, 200 मीटर की दौड़ में शिवेंद्र, 400 मीटर की दौड़ में आदित्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में 100 मीटर की दौड़ में व 200 मीटर की दौड़ में रीना, 400 मीटर में माही ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग की कबड्डी में प्राथमिक विद्यालय थुलरई की टीम विजेता रही। प्राथमिक स्तर की खो-खो प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बनापा विजयी रही। गौरा अध्यक्ष शैलेश पांडे ने विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि छात्र-छात्राओं हेतु इस तरह की क्रीड़ा प्रतियोगिताएं उनके सर्वांगीण विकास के लिए बेहद आवश्यक होती हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक त्रिलोकी शरण सिंह ने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नोडल शिक्षक संकुल मनीष दीक्षित और अमित सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर गौरा मंत्री अखिलेश कुमार, एसआरजी सुनील यादव, राहुल मौर्य, अनूप सिंह, नीरज पाल, अंजना चंद्रा, रेखालता यादव, रीता बाजपेयी, अनूप कुमार, विजयलक्ष्मी मौर्य, कुंवरजी यादव, राहुल द्विवेदी, रोशन सिंह, सिद्धनाथ, धर्मेन्द्र कुमार, धीरेन्द्र कुमार, राजकुमार सिंह, वियत तिवारी, राजेंद्र निर्मल, रविंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

मतदेय स्थलों के सम्भाजन को लेकर 24 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में होगी बैठक, जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मतदेय स्थलों के Rationalization पर होगा विचार-विमर्श
मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में जनप्रतिनिधियों एवं राजनैतिक दलों की बैठक 24 अक्टूबर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में मतदेय स्थलों के सम्भाजन (Rationalization) के संबंध में जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 24 अक्टूबर,

2026 को मध्याह्न 12:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। उक्त बैठक में माओ संसद सदस्य, 80-राबर्टसगंज (अ0ज0) संसदीय निर्वाचन क्षेत्र, माओ विधान सभा सदस्य, 400-घोरावल, 401-राबर्टसगंज एवं 402-ओबरा (अ0ज0) तथा समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक

दलों के अध्यक्ष/सचिव को प्रतिभाग करने हेतु अनुरोध किया गया है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी संबंधित जनप्रतिनिधियों एवं राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में समय प्रतिभाग करने की अपेक्षा की गई है।

विधान परिषद स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन-2026 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश
पोलिंग पार्टियों की रवानगी से लेकर मतपेटियों को वाराणसी में जमा कराने तक की व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वाराणसी खंड स्नातक

जिलाधिकारी ने कहा कि विधान परिषद स्नातक एवं शिक्षक



एवं शिक्षक निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सफुल संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का निर्धारित समयसीमा के भीतर समुचित ढंग से निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निर्वाचन-2026 के सफल एवं सुचारु संचालन के लिए जिन विभागों एवं अधिकारियों को जो जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, वे उनका गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन सुनिश्चित करें। पोलिंग पार्टियों की रवानगी, मतदान प्रक्रिया के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं तथा मतदान संपन्न होने के बाद मतपेटियों को सुरक्षित तरीके से वाराणसी ले जाकर जमा कराने तक की सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए

रखते हुए प्रत्येक कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्वाचन प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम के माध्यम से की जाए तथा सभी व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखी जाए। निर्वाचन से संबंधित प्रत्येक कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता न होने पाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि विधान परिषद स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए अपने दायित्वों का पूरी तत्परता से निर्वहन करें।

बैठक में उपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्री वागीश कुमार शुक्ला, जिला विकास अधिकारी श्री हेमंत कुमार सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्री सुधांशु शेखर शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री ज्ञानेंद्र सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री राजेश कुमार सहित समस्त उपजिलाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दुद्धी विकासखंड की सभी 58 ग्राम पंचायतों को बाल श्रम मुक्त बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) दुद्धी, सोनभद्र। दुद्धी विकासखंड

के तहत ग्राम पंचायतों में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की

की रोकथाम तथा बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए सभी



सभागार में ब्लॉक प्रमुख रंजना चौधरी की अध्यक्षता में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाल श्रम, बाल विवाह, बाल संरक्षण एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री जी के संकल्प के अनुरूप दिसंबर 2026 तक आकांक्षी जिलों की बाल श्रम मुक्त बनाने के लक्ष्य

बैठकों में पारित प्रस्तावों की समीक्षा की गई। इस क्रम में दुद्धी विकासखंड की सभी 58 ग्राम पंचायतों को बाल श्रम मुक्त बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) द्वारा बाल श्रम मुक्त अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने, बाल विवाह

संबंधित विभागों के समन्वय से प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। बैठक में बाल कल्याण अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ), स्वास्थ्य विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, एमओआईसी, संबंधित पर्यवेक्षक, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, पूजा यादव (चाइल्ड राइट्स एसोसिएट) एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

म्योरपुर में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर, कल ब्लॉक प्रमुख के आवास पर होगी जांच

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक की

ग्राम पंचायत म्योरपुर के

पर होगा। इसका मकसद



पतेरीटोला में 22 अक्टूबर को निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर होगा। इसका आयोजन ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गौड़ के आवास

सुविधाएं देना है। इस शिविर में ग्रामीणों की आंखों से जुड़ी समस्याओं की मुफ्त जांच की जाएगी। इसमें मोतियाबिंद की

जांच, नजर के चश्मे के लिए सलाह और आंखों की अन्य समस्याओं की जांच शामिल है। दवाइयों और इलाज के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा। आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर इस जनसेवा कार्यक्रम का फायदा उठाएं। ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गौड़ ने भी क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुंचकर मुफ्त नेत्र परीक्षण कराने का आग्रह किया है। इस पहल का मकसद ग्रामीण इलाकों में लोगों को आंखों की जांच और जरूरी डॉक्टरों से सलाह देना है।

मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर सोनभद्र पुलिस का व्यापक जनजागरूकता अभियान 'नारी का सम्मान, सुरक्षा की पहचान - सोनभद्र पुलिस का यही अभियान'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/नोडल अधिकारी सुश्री मेविस टॉक के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकार, लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही, महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में बिना किसी भय या संकोच के पुलिस से संपर्क करने तथा संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। अक्टूबर माह में विशेष साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत बच्चों एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति किया जा रहा जागरूक-अक्टूबर माह में संचालित विशेष साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता

कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों, बालिकाओं एवं आमजन को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रमों के दौरान ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड, साइबर यूनिंग, टेलीग्राम फ्रॉड, फर्जी ट्रेंडिंग/इन्वेस्टमेंट ग्रुप, क्रिप्टोकॉइन्स स्कैम एवं फिशिंग लिंक सहित विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सतर्क रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साइबर सुरक्षा के दृष्टिगत लोगों को ओटीपी, बैंकिंग विवरण, पासवर्ड एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने की सलाह दी जा रही है। साथ ही, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन संपर्क के दौरान सतर्कता बरतने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना संबंधित एजेंसी को देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। किसी भी प्रकार का साइबर अपराध होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देना तथा आधिकारिक वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर- 112 - आपातकालीन पुलिस सेवा, 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सोनभद्र पुलिस की अपील: महिलाएं एवं बालिकाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं की सहायता लें। आमजन भी साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएं। 'सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन - सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र।'



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
 कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश - विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480





रसोई

गर्लफ्रेंड उम्र में 4 साल बड़ी है, दोस्त मजाक उड़ाते हैं, उनकी बातें अब परेशान करने लगी हैं, कैसे डील करूं

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल-जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 28

गर्लफ्रेंड के साथ डेढ़ साल से रिश्ते में हूँ। दोनों एक-दूसरे को समझते हैं और भविष्य के बारे में भी सोच रहे हैं। इसके बावजूद दोस्तों के मजाक से आपके मन

बहस करने से बचें। दोस्तों की सीमा तय करें। दोस्त न मानें तो वहां से हट जाएं। अपनी पार्टनर का सम्मान करें। कहीं आपका नजरिया तो नहीं बदल

लेकर आपकी प्राथमिकताएं मैच करती हैं? क्या मतभेद होने पर आप एक-दूसरे को समझने की कोशिश करते हैं या अपनी बात मनवाने पर अड़ जाते हैं? इन सवालों के जवाब आपके रिश्ते की वास्तविक स्थिति को समझने में मदद करेंगे। दरअसल, एक मजबूत रिश्ता सिर्फ प्यार से नहीं, बल्कि भरोसे, सम्मान और इमोशनल सपोर्ट से बनता है। जब दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को समझते हैं, अपनी बात खुलकर कह पाते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का साथ देते हैं, तो रिश्ते में विश्वास गहरा होता है। इसलिए यह देखना जरूरी है कि आपके रिश्ते में ये आधार कितने मजबूत हैं। मजबूत रिश्ते के 6 आधार:- एक-दूसरे के प्रति सम्मान, एक-दूसरे पर पूरा भरोसा। वो भरोसा कभी न तोड़ना। इमोशनल सिक्योरिटी, मतभेद सुलझाने की क्षमता। खुली और निडर बातचीत। मजबूत रिश्ते की नींव 'बातचीत'-आपको अपनी गर्लफ्रेंड से अपनी भावनाओं के बारे में खुलकर बात करनी चाहिए। हालांकि, बातचीत का तरीका बहुत मायने रखता है। उससे ये न कहें कि-'तुम मुझे बड़ी



साल का हूँ और मेरी गर्लफ्रेंड मुझे 4 साल बड़ी है। हम पिछले डेढ़ साल से रिलेशनशिप में हैं और एक-दूसरे को लेकर काफी सीरियस हैं। हम दोनों अपने रिश्ते को भविष्य तक ले जाना चाहते हैं। परेशानी तब होती है, जब मैं अपने दोस्तों के साथ होता हूँ। वे अक्सर मेरी गर्लफ्रेंड की उम्र को लेकर मेरा मजाक उड़ाते हैं। शुरूआत में मैं उनकी बातों को हंसी में टाल देता था, लेकिन अब ये बातें मुझे परेशान करने लगी हैं। कभी-कभी मैं सोचने लगता हूँ कि क्या सच में उम्र का यह अंतर आगे चलकर हमारे रिश्ते में परेशानी पैदा कर सकता है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि दोस्तों को कैसे जवाब दूँ और अपने मन में उठने वाले इन सवालों से कैसे निपटूँ? सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। दोस्तों की बातें सुनकर अपने रिश्ते को लेकर उलझन महसूस करना स्वाभाविक है। जब हम किसी रिश्ते को लेकर सीरियस होते हैं, तो ऐसी टिप्पणियाँ ज्यादा परेशान कर सकती हैं। हालांकि सच पूछिए तो किसी रिश्ते में उम्र का अंतर अपने आप में परेशानी की वजह नहीं होता। परेशानी तब शुरू होती है, जब दूसरे लोगों की राय हमारे मन पर असर डालने लगती है। दोस्तों की बातें सुनकर हम अपने उस फैंसले को शक की नजर से देखने लगते हैं, जिसे लेकर पहले पूरी तरह आश्वस्त थे। हम आगे इसकी साइको एनालिसिस

में सवाल उठने लगे हैं। साइकोलॉजी में इसे 'सोशल इन्फ्लुएंस' कहते हैं। यानी हम चाहते हैं कि दोस्त-प्यार हमारे फैसलों को स्वीकार करें। उनकी राय हमारे लिए मायने रखती है। इसलिए जब वे हमारे किसी फैसले का मजाक उड़ाते हैं तो कभी-कभी हमें अपने चुनाव पर 'शक' होने लगता है। इसका मतलब यह नहीं कि आपका रिश्ता गलत है। हो सकता है कि आपको अपनी गर्लफ्रेंड की उम्र से ज्यादा इस बात की चिंता हो कि दूसरे लोग आपके रिश्ते को कैसे देखते हैं। इससे बचने के लिए कुछ बातों का हमेशा ध्यान रखें- दूसरों के कमेंट्स से खुद को कैसे बचाएं? याद रखें- वो दूसरे लोग हैं। भले दोस्त हो, पर दूसरे हैं। ये आपका रिश्ता है। ये आपकी जिंदगी है। ये दूसरों की राय से नहीं चलती। सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग। लोग आज हैं, कल नहीं भी होंगे। वो तो कहेंगे ही, उनका यही काम है। आप अपनी पार्टनर से प्यार करते हैं। पर आप दोनों हमेशा साथ रहेंगे। इसलिए सिर्फ खुद पर भरोसा करें। अपने रिश्ते पर भरोसा रखें। अपने प्यार पर भरोसा करें। दोस्तों की सीमा तय करना जरूरी-दोस्तों के बीच मजाक होना सामान्य है, लेकिन मजाक कभी भी अपनी एक सीमा होती है। जब कोई मजाक आप पर हावी होने लगे तो असहमति जताना जरूरी है। अपनी बात

रहा? कई बार दूसरों के कमेंट्स का असर हमारे नजरिए पर पड़ने लगता है। हम अपने पार्टनर को भी उसी नजर से देखने लगते हैं, जिस नजर से दूसरे लोग उसे देखते हैं। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि आपकी



परेशानी रिश्ते में है या दूसरों की बातों से पैदा हुई है। इसे समझने के लिए अपने रिश्ते के अनुभवों पर ध्यान दें और खुद से कुछ सवाल पूछें- अपनी भावनाएं समझें खुद से पूछें ये- क्या मैं इस रिश्ते में खुश हूँ? सवाल क्या मैं उसके साथ सहज हूँ? क्या यह चिंता मेरी अपनी है? क्या उम्र का अंतर मुझे खटकता है? क्या मैं उसके साथ भविष्य देखता हूँ? क्या मैं दूसरों

हो, इसलिए मेरे दोस्त मेरा मजाक उड़ाते हैं।' इसके बजाय अपनी परेशानी को अपने अनुभव के रूप में बताएं। आप कह सकते हैं-'दोस्तों की कुछ बातों का मुझ पर असर हो रहा है।' मैं समझना चाहता हूँ कि मुझे इन बातों से इतना फकी क्यों पड़ रहा है।' मैं चाहता हूँ कि हम इस बारे में खुलकर बात करें।' ध्यान रखें कि इस दौरान आपकी गर्लफ्रेंड को अपनी उम्र के लिए

असहज या शर्मिंदा महसूस न हो। साथ ही शादी, करियर और परिवार को लेकर अपनी अपेक्षाओं पर खुलकर चर्चा करें, ताकि दूसरों के कमेंट्स की बजाय आप दोनों का ध्यान रिश्ते की वास्तविकताओं पर रहे। रिश्ते को मजबूत बनाए रखने के लिए कुछ बातों का खास ध्यान रखें- एक-दूसरे का सम्मान

करें। अपनी भावनाएं खुलकर बताएं। अपनी परेशानी शेयर करें। आरोप लगाने से बचें। पार्टनर की बात ध्यान से सुनें। पार्टनर को दोष न दें। एक-दूसरे की चिंता समझें। प्युंर फोन पर बात करें। अपनी अपेक्षाएं स्पष्ट रखें। अंतिम बात-अगर आप दोनों एक-दूसरे के साथ खुश हैं और एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, तो यही एक मजबूत और खुशहाल रिश्ते की बुनियाद है। याद रखें, किसी रिश्ते में बने रहने या उससे आगे बढ़ने का फैसला दूसरों को खुश करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं और समझ के आधार पर लेना चाहिए।

न्यूजीलैंड से जीतने को कभी तरसता था भारत, पहली जीत में 10 साल लगे, अब लगातार छठी टी-20 सीरीज जीतने का मौका

स्पोर्ट डेस्क। 2007 में भारत ने पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टूर्नामेंट में टीम को सिर्फ

बार न्यूजीलैंड को हराया। रोहित शर्मा और शिखर धवन ने 80-80 रन की पारियां खेलीं, जिससे



एक हार मिली और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ थी। इसके बाद भी भारत को इस टीम के खिलाफ पहली जीत हासिल करने में 10 साल लग गए। अब तस्वीर बदल चुकी है। भारत 2020 से न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार पांच द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीत चुका है। इनमें तीन सीरीज भारत में और दो न्यूजीलैंड में खेली गईं। अब 22 अक्टूबर से न्यूजीलैंड में पांच मैचों की सीरीज शुरू होगी। भारत-न्यूजीलैंड मुकाबलों में कब किसका पलड़ा भारी रहा आगे 5 पॉइंट में जानते हैं। 1. नियमित नहीं होते थे मुकाबले:- भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी-20 मुकाबला 2007 में जोहान्सबर्ग में हुआ था। भारत को इसमें 10 रन से हार मिली। 2009 के न्यूजीलैंड दौरे पर भी टीम इंडिया दोनों मैच गंवा बैठी। 2012 में चेन्नई में जीत करीब आई, लेकिन भारतीय टीम एक रन से चूक गई। 2016 के टी-20 वर्ल्ड कप में नागपुर में घरेलू मैदान पर खेलते हुए भी भारत 47 रन से हार गया। पहले 9 साल में भारत-न्यूजीलैंड के बीच सिर्फ 6 टी-20 मैच हुए। लगातार नाकामियों के बाद भारत ने 1 नवंबर 2017 को दिल्ली में पहली

मेजबान टीम ने 20 ओवर में 202/3 का स्कोर बनाया। जवाब में कीवी टीम 149/8 तक ही पहुंच सकी। भारत ने 53 रन से मुकाबला जीत लिया। 2. 2020 से भारत का दबदबा, लगातार 5 सीरीज जीतें:-भारत की तस्वीर 2020 में बदली। न्यूजीलैंड दौरे पर पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम ने सभी मुकाबले जीते। इनमें दो मैच निर्धारित 20 ओवरों के बाद टाई हुए थे, लेकिन दोनों बार भारत ने सुपर ओवर में जीत दर्ज की। सुपर ओवर वह अतिरिक्त ओवर होता है, जिसमें टाई मैच का फैसला करने के लिए दोनों टीमों को एक-एक ओवर खेलने का मौका मिलता है। इसके बाद 2021 में न्यूजीलैंड भारत दौरे पर आया। भारतीय टीम ने तीनों मैच जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम की। 2022-23 में भारत ने न्यूजीलैंड में फिर सीरीज जीती। पहले मैच में बारिश के कारण खेल नहीं हो सका। दूसरे में सूर्यकुमार यादव के नाबाद 111 रन की मदद से भारत ने 65 रन से जीत दर्ज की। तीसरा मैच बारिश से प्रभावित हुआ और डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) नियम के तहत टाई रहा। यह नियम

बीसीसीआई प्रेसिडेंट बोले- रोहित-विराट का चयन उम्र देखकर नहीं, वनडे वर्ल्डकप के लिए फिटनेस-फॉर्म सबसे अहम

स्पोर्ट डेस्क। बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास ने कहा है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप में

38 साल के होंगे। पूर्व क्रिकेटर और फैंस ने भारत के ट्रांजिशन प्लान पर सवाल उठाए हैं। यह



विराट कोहली और रोहित शर्मा का चयन उम्र से नहीं होगा। टीम में जगह के लिए दोनों की फिटनेस और प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। यह टूर्नामेंट अक्टूबर-नवंबर 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। मन्हास ने भारत के न्यूजीलैंड दौरे से पहले स्पोर्ट्सटार को इंटरव्यू दिया। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। रोहित-विराट 4 नवंबर से शुरू हो रही 5 वनडे की सीरीज में खेलते दिखेंगे। मन्हास ने कहा- दोनों बैटर्स को लगातार रन बनाने होंगे-मिथुन मन्हास ने कहा कि वर्ल्ड कप टीम में चयन के लिए दोनों सीनियर बल्लेबाजों का लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होगा। मुझे लगता है कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश को जिता रहा है। तो उसका चयन होना चाहिए।' रोहित-विराट वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के टॉप-3 स्कोरर में शामिल हैं। वर्ल्ड कप के समय कितनी होगी रोहित-विराट की उम्र:-रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे। जबकि, विराट कोहली वर्ल्ड कप के दौरान

भी चर्चा है कि आने वाले वर्षों में दोनों सीनियर खिलाड़ियों की क्या भूमिका होगी। लॉर्ड्स में शतक से लौटा रोहित का फॉर्म-रोहित शर्मा की खराब वनडे फॉर्म के बीच उनके संन्यास की काफी चर्चा हुई थी। हालांकि, लॉर्ड्स में लगाए गए उनके शतक से ये चिंताएं कुछ हद तक दूर हुईं। विराट ने वनडे में अपनी भूमिका का अच्छा फायदा उठाया है। इस फॉर्मेट में उन्होंने ब्रैडमैन जैसा औसत रखते हुए लगातार रन बनाए हैं।गिल की कप्तानी में सीनियर्स की भूमिका-मिथुन मन्हास ने यह भी बताया कि रोहित और विराट की मौजूदगी से शुभमन गिल को कप्तानी में मदद मिल सकती है।

उन्होंने विराट के एमएस धोनी के मार्गदर्शन में सीखने और धोनी के सौरव गांगुली से मार्गदर्शन लेने का उदाहरण दिया। मन्हास ने कहा, 'शुभमन पिछले दो या तीन साल से गुजरात टाइटन्स के कप्तान हैं। वे भारत की कप्तानी भी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वर्ल्ड कप अभियान में यह अनुभव उनके काम आएगा।'

बारिश के कारण ओवर कम होने पर दोनों टीमों के लक्ष्य की तुलना करने के लिए इस्तेमाल होता है। 3. न्यूजीलैंड की धरती पर पहली जीत 2019 में मिली:- न्यूजीलैंड की धरती पर पहली जीत के लिए भारत को फरवरी 2019 तक इंतजार करना पड़ा। ऑकलैंड में खेले गए दूसरे मैच में टीम ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया। हालांकि, तीन मैचों की सीरीज न्यूजीलैंड ने 2-1 से जीती थी। न्यूजीलैंड में खेलना आसान नहीं है। इसकी वजह वहां की परिस्थितियां हैं। कुछ मैदानों पर नई गेंद से तेज गेंदबाजों को हवा में स्विंग और पिच से उछाल मिल सकता है। मैदान की बाउंड्री भी हर दिशा में एक जैसी नहीं होती, इसलिए बल्लेबाजों को यह समझना होता है कि किस दिशा में शॉट खेलना ज्यादा फायदेमंद रहेगा। 4. 2026 में वर्ल्ड कप

ने शुरूआत से ही तेज रन बनाए और कोई विकेट भी नहीं खोया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर ऑलआउट हो गई। जसप्रीत बुमराह ने 15 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल को तीन विकेट मिले। 5. श्रेयस की कप्तानी और भुवनेश्वर की वापसी पर नजर:- इस सीरीज में भारत की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे और न्यूजीलैंड की टीम मिचेल सैंटनर की अगुआई में उतरेगी। अय्यर के लिए यह सीरीज सिर्फ जीत का सिलसिला आगे बढ़ाने का मौका नहीं है, बल्कि विदेशी परिस्थितियों में रणनीतिक फैसले लेने की परीक्षा भी होगी। कप्तान को मैच के दौरान कई फैसले लेने होते हैं। शुरूआत में किस बल्लेबाज को भेजना है, किस गेंदबाज को किस समय गेंद देनी है और आखिरी ओवरों



फाइनल में हराया:- भारत ने इस साल टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में भी न्यूजीलैंड को हराया था। 8 मार्च को अहमदाबाद में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 255/5 रन बनाए। संजू सैमसन ने 46 गेंदों पर 89 रन, ईशान किशन ने 25 गेंदों पर 54 रन और अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों पर 52 रन बनाए। भारत ने पारी के पहले छह ओवर यानी पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए 92 रन जोड़ दिए। इसका मतलब था कि टीम

में रन तेजी से बनाने के लिए कितने विकेट बचाने हैं। अय्यर की कप्तानी में भारत का विदेश में रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। टीम को आयरलैंड ने पहली बार हराया था। इसके बाद इंग्लैंड से भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। भुवनेश्वर कुमार की वापसी भी भारत के लिए अहम होगी। उन्होंने आखिरी मैच नवंबर 2022 में खेला था। नई गेंद से गेंद को हवा में घुमाना उनकी खासियत रही है।

श्रेयस अय्यर बोले- वैभव को अभी फ्लेइंग-11 में जगह नहीं, अभिषेक-सैमसन लगातार रन बना रहे, दोनों ने वर्ल्डकप जिताना

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बुधवार को काइस्टर्चर में कहा- 'वैभव सूर्यवंशी अभी सीधे टीम में आ सकते हैं, ऐसा नहीं

अंदाजा मिलेगा।' उन्होंने कहा, 'अगली बार जब वे इन परिस्थितियों में आएं तो वे पूरी तरह तैयार होंगे। वे पहली बार यहां आने वाले टीम के दूसरे



है। हमारे ओपनर लगातार रन बना रहे हैं और उन्होंने वर्ल्ड कप जीता है।' 31 साल के अय्यर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज से पहले कहा- 'वैभव को आगे मौके मिलेंगे। विदेशों में खेलने का अनुभव उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेगा।' उन्होंने फोटोशूट के बाद पत्रकारों से बातचीत की। भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी को ड्रेसिंग रूम में खुश रहना चाहिए। वैभव बहुत युवा हैं और उनके पास मौके पाने के लिए कई साल हैं।इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए चुने जाने के बाद से वैभव ने आठ टी-20 मैच खेले हैं। उन्होंने 2 फिफ्टी के सहारे 186.36 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए। इस दौरान रेगुलर ओपनर अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। 'वैभव का अनुभव भविष्य में काम आएगा'-श्रेयस अय्यर का मानना है कि विदेशी परिस्थितियों में वैभव का अनुभव भविष्य की सीरीज के लिए उनकी तैयारी बेहतर करेगा। अय्यर ने कहा, 'जब वे विदेशों में खेलेंगे तो उन्हें इन खास पिचों पर बल्लेबाजी करने का अच्छा

खिलाड़ियों को भी सलाह दे सकेंगे।' वेस्टइंडीज के खिलाफ वैभव को एक भी मौका नहीं मिला-वैभव को वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैच की टी-20 सीरीज में एक भी मौका नहीं मिला। इस दौरान वैभव ने 2 स्ट्रेट्स लगाए थे। 1. सहवाग बोले- उम्र नहीं, प्रदर्शन तय करे भारतीय टीम में जगह-पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में उन्हें अपनी बेखोफ बल्लेबाजी की झलक दिखती है। सहवाग ने कहा- 'सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं।' 2. गंभीर बोले- उम्र 15 हो या 30 साल, मौके का इंतजार करना पड़ेगा-पिछले महीने हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि खिलाड़ी की उम्र 15 हो या 30 साल, अगर उसे मौके का इंतजार करना है तो इंतजार करना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ खेला आखिरी टी-20 इंटरनेशनल-वैभव सूर्यवंशी ने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। उस मुकाबले में भारत ने 19 रन की जीत हासिल करके गोल्ड मेडल जीता था। वैभव टी-20 क्रिकेट में 4 शतक लगा चुके हैं।

क्या सस्ते इथेनॉल से मक्का किसानों को नुकसान,टूटे चावल पर बढ़ेगी निर्भरता, नई खरीद नीति से खाद्य सुरक्षा पर चिंता

तेल विपणन कंपनियों ने इथेनॉल स्पलाई ईयर 2026-27 के लिए 1100 करोड़ लीटर इथेनॉल की खरीद के टेंडर जारी किए हैं। हालांकि, खरीद की इस व्यवस्था से भारत की कृषि प्राथमिकताओं, खाद्य सुरक्षा और लंबे समय के औद्योगिक विकास को लेकर कई बुनियादी सवाल खड़े होते हैं। टेंडर से गन्ने के रस, चीनी के घोल और बी-हैवी शीरे (सीनी बनाने के दौरान निकलने वाला गाढ़ा, चिपचिपा और मीठा तरल पदार्थ) को बाहर रखा गया है। ऐसे में अब इथेनॉल की लगभग पूरी जरूरत अनाज से बने इथेनॉल से पूरी करनी होगी। इसमें सी-हैवी शीरे और दूसरे मंजूर स्रोतों का सीमित योगदान रहेगा। पिछले साल गन्ने से बनने वाले इथेनॉल के लिए शुरुआती तौर पर करीब 289 करोड़ लीटर की खरीद तय की गई थी। अब इस बड़ी मांग को दूसरे स्रोतों, खासकर अनाज की ओर मोड़ना होगा। उत्पादन क्षमता ज्यादा लेकिन जरूरत कम, इससे कम कीमत में बिकेगा इथेनॉल इथेनॉल की जरूरत 1100 करोड़ लीटर है, जबकि इंडस्ट्री की उम्मीद है कि सलायर इससे दोगुने से भी ज्यादा इथेनॉल बनाने की क्षमता की पेशकश कर सकते हैं। टेंडर में अलग-अलग कच्चे माल से बनने वाले इथेनॉल के लिए अलग-अलग खरीद कीमतें तय की गई हैं। जरूरत से ज्यादा इथेनॉल की पेशकश होने पर कंपनियों के बीच टेंडर पाने के लिए कौड़ी होड़ होगी। ऐसे में कम कीमत वाली श्रेणियां बनाने वालों के लिए ज्यादा आकर्षक हो सकती हैं, भले ही उस कीमत पर इथेनॉल बनाने का खर्च निकालना मुश्किल हो। सस्ता इथेनॉल बनाने के लिए टूटे चावल का इस्तेमाल बढ़ेगा- भारतीय खाद्य निगम के पास चावल कम होने के कारण खराब अनाज, खासकर टूटे चावल से इथेनॉल बनाने का काम बढ़

सकता है। इससे बनने वाले इथेनॉल की खरीद कीमत 64 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, मक्का से बने इथेनॉल की कीमत 68.86 रुपये प्रति लीटर है। इंडस्ट्री को उम्मीद है कि खराब अनाज और टूटे चावल से बनने वाले इथेनॉल की मात्रा पिछले साल के करीब

लिए अनाज की सीधी प्रतिस्पर्धा शुरू हो सकती है। इससे अनाज की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं और खाद्य महंगाई भी बढ़ सकती है। सरकार इथेनॉल की खरीद पर प्रति लीटर कुछ रुपए बचा सकती है, लेकिन इसके बदले में खाद्य पदार्थों की कीमतें

रह गई हैं।इसके अलावा, टेंडर की शर्तों के अनुसार, एक बार जब बोली लगाने वाला कम कीमत पर आवंटन हासिल कर लेता है, तो वह कच्चा माल तो बदल सकता है, लेकिन उसके इथेनॉल की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा। इससे भी

भारत की औद्योगिक ताकत बढ़ाने के बड़े लक्ष्य से भटक गई है? चावल को बढ़ावा, लेकिन धान की खेती कम करने की कोशिश? इसमें विरोधाभास साफ दिखाई देता है। सरकार कई सालों से खासकर जमीन के नीचे पानी की कमी से जूझ रहे राज्यों में पानी की ज्यादा खपत वाली धान की खेती पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रही है। चावल को पहले से ही सरकारी खरीद, सब्सिडी और सार्वजनिक खर्च के रूप में काफी मदद मिलती है। इसके बावजूद, इथेनॉल नीति अब चावल और टूटे चावल के लिए एक बड़ा अतिरिक्त औद्योगिक बाजार तैयार करने का खतरा पैदा कर रही है। इससे उस फसल की खेती करना आर्थिक रूप से ज्यादा फायदेमंद हो सकता है, जिससे किसानों को दूर ले जाने की सरकार कोशिश कर रही है।

जब कृषि नीति के जरिए मक्का की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, तो इथेनॉल की खरीद व्यवस्था के जरिए उसकी व्यावसायिक संभावनाओं को कमजोर क्यों किया जा रहा है? खरीद की प्राथमिकताओं पर दोबारा विचार करने की जरूरत- भारत का इथेनॉल कार्यक्रम कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने, किसानों की आमदनी बढ़ाने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने और देश में औद्योगिक क्षमताएं विकसित करने के मकसद से शुरू किया गया था। अगर खरीद की व्यवस्था में सिर्फ एक्स-मिल करीमताओं को प्राथमिकता दी जाती है, तो इससे ये बड़े लक्ष्य कमजोर पड़ सकते हैं।

सरकार को मक्का की खेती के लिए व्यावसायिक प्रोत्साहन बनाए रखने, खाने योग्य टूटे चावल के इथेनॉल में इस्तेमाल को सावधानी से नियंत्रित करने और यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि कच्चे माल की खरीद देश की व्यापक कृषि प्राथमिकताओं के मुताबिक हो। सबसे सस्ता इथेनॉल जरूरी नहीं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी सबसे सस्ता साबित हो।

मक्का और गन्ना किसानों को पीछे धकेलने और चावल से बनने वाले इथेनॉल की मांग बढ़ाने की आशंका के बीच नया टेंडर एक बुनियादी सवाल खड़ा करता है:क्या भारत टिकाऊ इथेनॉल अर्थव्यवस्था बना रहा है या सिर्फ चावल के लिए एक और सब्सिडी वाला बाजार तैयार कर रहा है, जिसकी कीमत किसानों, उपभोक्ताओं और देश के लंबे समय के औद्योगिक विकास को चुकानी पड़ेगी? (ये लेखक के अपने विचार हैं, डॉ. सीके जैन)

हम तेल के लिए हमेशा दूसरे देशों पर ही निर्भर क्यों रहें?

ट्रम्प ने कहा है कि वे 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों के बाद नए हथियारों के साथ ईरान पर हमला करेंगे। इनमें कथित 'मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स' भी शामिल होगा। यदि ट्रम्प

हमले का मतलब होगा कि भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी)- जो अभी जीडीपी के 1.2 से 1.4फीसदी के बीच है- आसानी से बढ़ सकता है। हमारे आयात बिल में 35 से 40 अरब डॉलर

हैं। पहला, स्विफ्ट के तहत पश्चिम की बैंकिंग पाबंदियों को सक्रिय किए बगैर रूस से मल्टी-करंसी व्यवस्था में व्यापार करना। दूसरा, भारतीय खरीदार सरकारी ऋणदाताओं के बजाय



अपनी इस धमकी पर अमल करते हैं तो इससे बेवजह होने वाली जनहानि के अलावा वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी गंभीर असर पड़ेगा। खासकर भारत पर, जो अपनी जीवाश्म ईंधन की जरूरतों का 85फीसदी से अधिक आयात करता है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के आंकड़े चिंताजनक तस्वीर दिखाते हैं। दिसंबर 2025 में भारत ने अपने आयातित कच्चे तेल की औसत कीमत करीब 62

की बढ़ोतरी भी सीएडी को जीडीपी के 2.2फीसदी से ऊपर पहुंचा सकती है, जिससे आरबीआई को रुपए को स्थिर रखने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार से डॉलर बेचने पड़ सकते हैं। फिर, देश में सड़कों पर चल रहे हालिया विरोध प्रदर्शनों के अलावा एक और बड़ी समस्या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में बढ़ोतरी की हो सकती है। हमारी अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा- लॉजिस्टिक्स, कृषि और

गैर-पश्चिमी समुद्री परिवहन सेवाओं और निजी बीमा समूहों पर ज्यादा निर्भर रहते हैं, ताकि अमेरिका के विदेशी परिसंपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) के प्रतिबंधों से सरकारी बैंकों को बचाकर रखा जा सके। तीसरा तरीका कूटनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल है। भारत अक्सर अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को यह समझाता रहा है कि यदि रूस से प्रतिदिन 18 से 20 लाख बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति पर रोक लगाई गई और भारतीय रिफायनरियों तक इसकी पहुंच रोकी गई तो वैश्विक आपूर्ति संकट पैदा हो सकता है। इससे ब्रेंट क्रूड की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल से काफी ऊपर जा सकती है।

लेकिन अस्थायी उपायों का असर अब अपनी सीमा पर पहुंच गया है। भारत को अस्थिर ऊर्जा बाजारों से खुद को अलग करने के प्रयास तेज करने होंगे।

इसके लिए 20फीसदी एथेनॉल मिश्रण अनिवार्य करने में तेजी लाना, औद्योगिक स्तर पर सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाना और इंडियन स्टेट ऑइल कॉर्पोरेशन रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) के तहत घरेलू तेल भंडारों को बढ़ाना जरूरी है।वैश्विक तेल बाजार की उठापटक का सीधा असर पेट्रोल पंपों, किराना दुकानों और परिवारों के बजट पर पड़ता है। जब तक हम अपने कच्चे तेल की जरूरतों का अधिकांश हिस्सा आयात करते रहेंगे,परिवहन लागत और खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ती रहेंगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं, सचिन कलबाग)



डॉलर प्रति बैरल चुकाई थी। अगस्त 2026 में यह बढ़कर 90 डॉलर और सितंबर में 116 डॉलर प्रति बैरल हो गई। यानी महज नौ महीने पहले चुकाई गई कीमत से दोगुनी। ऐसे में पूरी आशंका है कि अमेरिका और इजरायल के ईरान पर प्रस्तावित हमले से तेल कीमतें फिर बढ़ सकती हैं। महंगाई और लागतों में बढ़ोतरी के इस दबाव को झेलने के लिए भारत को बेहद मजबूत कवच चाहिए। साथ में डॉलर के मुकाबले रुपए के और निचले स्तर पर पहुंचने का वास्तविक खतरा तो बना ही हुआ है। ईरान पर अमेरिका के किसी भीघण

मैन्यूफैक्चरिंग- डीजल पर निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ते हैं तो देश में कीमतें नियंत्रित रखने के लिए सरकार और तेल कंपनियों को करों में कटौती करने या कीमतों में बढ़ोतरी का बोझ खुद झेलने जैसे कदम उठाने पड़ सकते हैं। दोनों ही स्थितियों में रेल और सड़क ढांचा निर्माण जैसे अहम पूंजीगत खर्च के लिए आवंटित होने वाला बजट तेल संकट से निपटने में खपाना पड़ेगा।अब तक भारत ने रूस और ईरान के साथ व्यापार को लेकर अमेरिकी प्रतिबंधों के अप्रत्यक्ष प्रभावों से निपटने के लिए तीन प्रमुख तरीके अपनाए

कूटनीति से कारोबार के मेल की ट्रम्प-शैली अनुचित है

यदि कोई नेता अहम कूटनीतिक जिम्मेदारियां अपने परिजनों और बिजनेस साझेदारों को सौंप दे तो ज्यादातर लोकतांत्रिक देशों में उसे भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। लेकिन ट्रम्प को ऐसा करने पर बहुत कम विरोध झेलना पड़ा है। कई लोग उनकी इस 'क्रोनी डिप्लोमेसी' को गैर-पारम्परिक कार्यशैली कह देते हैं। लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम गंभीर हैं। विदेश मंत्री या पेशेवर कूटनीतिज्ञों पर भरोसा करने के बजाय ट्रम्प ने अहम जिम्मेदारियां



अपने दामाद जैरेड कुशเนอร์ और बिजनेस-पार्टनर स्टीव वित्कोफ को सौंप दी हैं।कुशनेर ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भी वरिष्ठ सलाहकार थे और इजराइल तथा अरब देशों के बीच अब्राहम समझौता कराने में उनकी भूमिका रही थी। कुशनेर और वित्कोफ यूक्रेन, गाजा और ईरान पर वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन दोनों के पास ही जटिल और महत्वपूर्ण कूटनीतिक चुनौतियां हल करने का कोई पिछला अनुभव नहीं है। फिर, दोनों के

हितां का टकराव भी साफ नजर आ रहा है।चलिए, वित्कोफ से शुरू करते हैं। पिछले साल पाकिस्तान ने क्रिप्टोकरेंसी कंपनी वर्ल्ड बिटर्बॉ फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) के साथ एक कूटनीति समझौता किया था। इस कंपनी के सीईओ वित्कोफ के बेटे जैक हैं और कंपनी को ट्रम्प और वित्कोफ परिवार की मालिकाना हिस्सेदारी है। इस साल जनवरी में इसी कंपनी ने विदेश मंत्री या पेशेवर कूटनीतिज्ञों पर भरोसा करने के बजाय ट्रम्प ने अहम जिम्मेदारियां

के पहले कार्यकाल के बाद उन्होंने 'एफिनिटी पार्टनर्स' नाम की एक निजी इक्विटी फर्म शुरू की और खाड़ी देशों की राजशाहियों से अरबों डॉलर जुटाए। इसमें सऊदी अरब के सौवरेन वेल्थ फंड के करीब 2 अरब डॉलर भी शामिल हैं।यानी, कुशनेर सऊदी पूंजी पर निर्भर हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके सामने एक चुनौती है कि वे ईरान के साथ संबंध सुधारने पर बातचीत करेंगे। जबकि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान कथित तौर पर ट्रम्प से युद्ध जारी रखने की गुहार लगा रहे हैं। कुशनेर और वित्कोफ के हितां के टकराव और विदेश नीति में उनकी अनुभवहीनता अपने आप में यह बताती है कि क्यों ट्रम्प ने उन्हें आधिकारिक कूटनीतिक पदों पर नियुक्त नहीं किया।विशेष दूतों को सीनेट द्वारा पुष्टि की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। पेशेवर कूटनीतिज्ञों की तरह उन पर नैतिक नियमों और संसद की निगरानी की बाध्यता भी नहीं होती। ऐसे में कुशनेर और वित्कोफ अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर सकते हैं और बिना जवाबदेही के अमेरिका की ओर से बातचीत भी कर सकते हैं। ट्रम्प के सहयोगी लैरी एलिसन भी 'टिकटोंक' में निवेश से मोटा फायदा कमा चुके हैं।

ट्रम्प के बेटों एरिक और डोनाल्ड जूनियर ने भी हाल ही में 'पावरर्स' नामक डोन कंपनी जॉइन की है।वे अपने पिता द्वारा शुरू किए युद्ध में ईरान के हमलों का जवाब देने के लिए खाड़ी देशों को ड्रोन इंटरसेप्टर बेचने की जुगत में हैं।अब तो ईरान युद्ध को लेकर संभावित इनसाइडर



'फाइन डाइनिंग' रेस्तरां में डिनर पर आमंत्रित किया। सब कुछ व्यवस्थित था-खाना, माहौल, सेवा-लेकिन एक चीज ने पूरे अनुभव को असहज बना दिया : शोर।

मेरे मेहमान बातचीत करने में असुविधा महसूस कर रहे थे। उसी दिन मुझे एहसास हुआ कि हम अपने आपसास शोर के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि उसकी समस्या पर गौर तक नहीं करते। आज भारत के शहरों में शोए केवल एक कोलाहल भरी पुच्छभूमि नहीं, बल्कि स्थायी वास्तविकता बन चुका है। सड़कों पर वाहनों के हॉर्न, अनवरत हो रहे निर्माण कार्यों की आवाज और सार्वजनिक स्थलों का अनियंत्रित ध्वनि स्तर- ये सब मिलकर ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जो धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। भारतीय शहर दुनिया के सबसे शोरगुल वाले शहरों में गिने जाते हैं।

दिल्ली में शोर का औसत स्तर लगभग 75 डेसिबल तक पहुंच चुका है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन दिल के समय 55 डेसिबल की सीमा को सुरक्षित मानता है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु

कि सर्दियों में वायु प्रदूषण, गर्मियों में जल संकट और होट वेव, या ठंड के मौसम में कोल्ड वेव पर तो बात करते हैं- लेकिन ध्वनि प्रदूषण- जो साल भर रहता है- उस पर कम ध्यान दिया जाता है। जबकि लंबे समय तक 70 डेसिबल से अधिक शोर के सम्पर्क में रहने से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।हर 10 डेसिबल की वृद्धि के साथ हृदय संबंधी जोखिम लगभग 8 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

बच्चों में सीखने की क्षमता प्रभावित होती है, गर्भवती महिलाओं में जटिलताएं बढ़ती हैं और बुजुर्गों में नींद की समस्या आम हो जाती है।

भारत में 6 करोड़ से अधिक लोग सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं और ध्वनि प्रदूषण इसका एक बड़ा कारण बनता जा रहा है।शोर का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, यह हमारी उत्पादकता, मानसिक संतुलन और सामाजिक व्यवहार को भी प्रभावित करता है।

लागतार शोर में रहने वाला व्यक्ति अधिक चिड़चिड़ा, थका हुआ और ध्यान केंद्रित करने में कम सक्षम होता है। ऐसे में समाज की

है। सड़कों पर अनावश्यक हॉर्न बजाना,

देर रात तक डीजे या लाउडस्पीकर का उपयोग और निर्माण स्थलों पर समय-सीमा का उल्लंघन- ये सब आम हो चुके हैं। कानूनों का सख्त पालन सुनिश्चित करना होगा। जागरूकता बढ़ानी भी जतनी ही जरूरी है।

स्कूलों और कॉलेजों में संदेश देना होगा कि हॉर्न बजाना मजबूरी नहीं, आदत है- और इसे बदला जा सकता है। शहरी नियोजन में भी बदलाव जरूरी है।

नॉइज़ बैरियर, ग्रीन कॉरिडोर और ईवी को बढ़ावा देना इस दिशा में सहायक हो सकते हैं। जिस तरह हम वायु गुणवत्ता सूचकांक (एय्क्यूआई) को नियमित देखते हैं,

उसी तरह शोर के स्तर की रियल-टाइम मॉनिटरिंग भी शुरू की जानी चाहिए। क्योंकि शोर प्रदूषण एक ऐसा साइलेंट संकट है-

जो धीरे-धीरे हमें प्रभावित करता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं, डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया)

अब ब्रिटेन सऊदी की मदद करेगा,टाइफून विमान भेजने का ऐलान, हूती विद्रोहियों के हमले से रक्षा करेगा

लंदन/रियादा।उन्होंने कहा- इसी वजह से मैंने आज ब्रिटेन की ओर से और सैन्य मदद को मंजूरी दी है। रॉयल एयर फोर्स



के टाइफून विमान ड्रोन और मिसाइलों से सऊदी हवाई क्षेत्र की रक्षा के लिए उड़ान भरेंगे। स्ट्रीटिंग ने कहा कि हतियों के हमलों से पश्चिम एशिया में स्थिरता को खतरा है। इससे ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक रास्ते भी प्रभावित हो सकते हैं। इसका असर ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। पहले भी मदद दे चुका है ब्रिटेन-सऊदी अरब सरकार के अनुरोध पर ब्रिटेन सितंबर में भी सैन्य सहायता देने पर सहमत हुआ था। हालांकि तब उसने रॉयल एयर फोर्स का वॉयेजर विमान देने की घोषणा की थी। इस विमान का इस्तेमाल हवा में दूसरे विमानों में ईंधन भरने के लिए किया जाता है। अब ब्रिटेन टायफून के अलावा एटलस ए400एम परिवहन विमान और सैन्य सलाहकार भी भेजेगा। परिवहन विमान का इस्तेमाल सऊदी अरब के भीतर सैन्य उपकरण पहुंचाने के लिए किया जाएगा। ब्रिटिश सैन्य सलाहकार सऊदी अधिकारियों की मदद करेंगे। ट्रम्प सरकार ने हूती विद्रोहियों से सीक्रेट डील की- 16 सितंबर की एक्सओस की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों के साथ सीक्रेट डील की है। इस डील के तहत हतियों ने अमेरिका को भरोसा दिया है कि वे लाल सागर

अमेरिकी दूतावास में हुई थी। इसमें हूती प्रतिनिधियों ने भरोसा दिया था कि वे सऊदी अरब के अलावा दूसरे जहाजों को बाब-अल-मंदेब से गुजरने देंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कहा था कि अमेरिका हतियों के साथ सीधे बातचीत कर रहा है। हालांकि, किसी औपचारिक गुप्त समझौते की सार्वजनिक पुष्टि नहीं हुई थी। पाकिस्तान ने भी सऊदी की मदद से इनकार किया- यरुशलम पोस्ट की पिछले महीने की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी ने मक्का डिफेंस अलायंस के साथी पाकिस्तान से मदद मांगी थी। लेकिन पाकिस्तान ने यमन में लड़ने के लिए अपनी सेना या सैन्य संसाधन भेजने से इनकार कर दिया है।

पाकिस्तान ने कहा कि उसकी सेना सऊदी अरब की जमीन की रक्षा के लिए तैनात की जा सकती है, लेकिन वह किसी दूसरे देश की जमीन पर युद्ध में शामिल नहीं होगी। एक पर हमला, मतलब तीनों पर हमला। इसी सिद्धांत के साथ पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने 7 अगस्त को 'मक्का जॉइंट डिफेंस पैक्ट' पर साइन किया था। तीनों देशों के बीच इस समझौते को कई जानकारों ने 'मुस्लिम नाटो' की दिशा में एक अहम कदम माना था।

दावा- सीएम मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर 3 घंटे रोका,₹50,000 का चालान काटा,आप बोली- केंद्र का अहंकार टूटना चाहिए

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को दावा किया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर तीन घंटे रोका गया। आप के मुताबिक, पेरिस से लौटने के बाद अधिकारियों ने मान का 50 हजार रुपए का चालान भी काटा। अधिकारियों ने इसके पीछे ऊपर से बहुत दबाव होने की बात कही। दिल्ली के पूर्व मंत्री सीरभ भारद्वाज ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जैसे दशहरे पर रावण का घमंड खत्म हुआ था, वैसे ही केंद्र सरकार का अहंकार टूटना चाहिए। मान पेरिस में 17 से 21 अक्टूबर तक चल रहे अंतरराष्ट्रीय फूड ट्रेड एजीबिशन सील पेरिस 2026 में शामिल हुए थे। केंद्र के फैंसले के खिलाफ मान को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने फ्रांस दौरे की परमिशन दी थी।दावा- सामान लोड होने के बाद काटा चालान- पंजाब आप के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्ने ने इस घटना को केंद्र की ओर से मान की विदेश यात्राओं

की अनुमति बार-बार रोकने से जोड़ा। उन्होंने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि अधिकारियों ने शुरू में सामान आने या जांच में देरी का हवाला दिया।

जब मुख्यमंत्री मान का सामान उनकी गाड़ी में लोड होने वाला था और वे जाने वाले थे, तभी अधिकारियों ने यह कहते हुए चालान जारी कर दिया कि वे ऊपर से भारी दबाव में हैं।

आप का आरोप- मान को पेरिस में प्रोटोकॉल नहीं मिला-आप नेता बलतेज पन्ने ने केंद्र सरकार पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मान पंजाब के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ावा देने के लिए पेरिस में आयोजित सीएल फूड ट्रेड एग्जिबिशन में शामिल हुए थे।

पन्ने के मुताबिक, हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद पेरिस में भारतीय काउंसल जनरल मान से मिलने नहीं आए।

नयी दिल्ली। 2029 में लोकसभा चुनाव के साथ कई राज्यों के विधानसभा चुनाव भी हो सकते हैं। वन नेशन-वन इलेक्शन को लेकर संसद की संयुक्त संसदीय समिति इस संभावना की पड़ताल कर रही है। 25 बैठकें हो चुकी हैं। 10 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ग्राउंडवर्क हो गया है। बीजेपी सांसद पीपी चौधरी ने बताया अगर संसद में बिल पास हो जाता है, तो 2029 में वन नेशन-वन इलेक्शन लागू करने में कोई दिक्कत नहीं है। चुनाव आयोग ने बताया है कि 6 महीने में इसकी तैयारी की जा सकती है। इसके लिए जरूरी होगा कि 2028 तक बिल पारित हो जाए। दावा है कि अगर साथ चुनाव हों, तो इससे 7 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी। हालांकि, पूर्व चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी दावा करते हैं कि इतने कम वक़्त में तैयारी मुमकिन नहीं है। इसके लिए 2 से 3 साल चाहिए होंगे। कोई जादू की छड़ी हो, तो बात अलग है। 41 सदस्यों की समिति, सब राजमंद हों, तो रिपोर्ट सबमिट होगी-समिति में 41 सदस्य हैं। इनमें लोकसभा के 27 और राज्यसभा के 12 सांसदों के अलावा दो आमंत्रित सदस्य हैं। समिति रिपोर्ट कब देगी, इस पर पीपी चौधरी जवाब देते हैं, 'ये तय नहीं है। पूरा मंथन हो जाएगा, समिति मेंबर्स

राजी होंगे, तभी रिपोर्ट देंगे।' सरकार, विपक्ष, कारोबारी मीडिया, सबसे सलाह ले रही समिति-समिति मेंबर जिस राज्य में जाते हैं, उसके लिए डिटेल् एजेंडा तैयार किया जाता है। कम से कम 500 लोगों से मिलते हैं। जिन लोगों से मिलना होता है, उन्हें पहले ही बता दिया जाता है।किन-किन लोगों से मिलते हैं- गवर्नर, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, स्पीकर, मंत्री, विधायक चीफ सेक्रेटरी और सचिव स्तर के अधिकारी विपक्षी पार्टियां, पंच भूषण अवाड़ी और मीडिया सचिव सोसायटी, एसोसैम, फिक्की जैसे कारोबारी संगठनों के प्रतिनिधि सहमत राज्यों में 2029 में चुनाव, बाकी में 2034 में होंगे-पीपी चौधरी कहते हैं, 'हम सहमति या असहमति पता कर रहे हैं। सहमत होने वाले राज्यों का कार्यकाल खत्म कर 2029 में चुनाव हो जाएगा। असहमत राज्यों को 2034 में इस प्राधान्य के तहत लाएंगे। तब उन्हें ये करना ही होगा। एक साथ चुनाव कराने का हल राज्य सरकारों के पास ही है। अगर वे राजमंद हों, तो लोकसभा और विधानसभा चुनाव 2029 में एक साथ हो सकते हैं।' 22 राज्यों में बीजेपी या एनडीए

दो महिला दोस्तों की मदद से नीदरलैंड के पहले गे पीएम जल्द बनेंगे पिता-सोशल मीडिया पर लिखा- 2027 में आएगा नया मेहमान

एम्स्टर्डम।नवंबर 2024 में दोनों ने सगाई की घोषणा की।

इसे कुछ समय के लिए टाल दिया है। नीदरलैंड समलैंगिक विवाह



दोनों की शादी जून 2026 में होनी थी, लेकिन जेटेन के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने

को मान्यता देने वाला पहला देश- नीदरलैंड दुनिया का पहला देश था, जिसने 2001 में समलैंगिक

शेख हसीना बोलीं- सरकार गिरफ्तार या टॉर्चर कर सकती है,फिर भी दिसंबर में बांग्लादेश लौटूंगी

नई दिल्ली/ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को कहा है कि वह दिसंबर में अपने देश लौटेंगी। उन्होंने कहा- 'बांग्लादेश की

परिवार के कई दूसरे सदस्यों की भी हत्या कर दी गई थी। उस समय हसीना और उनकी बहन अपनी जान बचाने और सुरक्षा के लिए भारत आई थीं। हसीना



मौजूदा तारिक रहमान सरकार मुझे गिरफ्तार कर सकती है, मार सकती है या टॉर्चर कर सकती है, लेकिन किना भी खतरा हो, मुझे इसकी परवाह नहीं है। मुझे अपने देश लौटना ही है।' उन्होंने आगे कहा कि वह तारिक रहमान की सरकार से डरती नहीं हैं और अपने देश वापस लौटना उनकी जिम्मेदारी है। हसीना अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। तब से वह भारत में रह रही हैं। हसीना ने भारत सरकार को शुक्रिया कहा-शेख हसीना ने मुश्किल समय में उन्हें शरण देने के लिए भारत सरकार और लोगों का शुक्रिया किया। उन्होंने 1975 की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भी भारत के लोगों का शुक्रगुजार हूं। हसीना ने कहा- 'मैं भारत सरकार, यहां के लोगों और सभी राजनीतिक दलों की शुकुगुजार हूं। उन्होंने मुझे वैसे ही अपनाया, जैसे 1975 में अपनाया था।' दरअसल, 1975 में बांग्लादेश में सैन्य तख्तापलट के दौरान हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान की हत्या कर दी गई थी। वह बांग्लादेश के संस्थापक थे। इस घटना में हसीना की मां, उनके तीन भाइयों और

बोलीं- मेरे खिलाफ मामले चलाकर विपक्ष को दबाया जा रहा-शेख हसीना ने बांग्लादेश की मौजूदा सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनके और उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामले चलाकर विपक्ष को दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक नेताओं पर लगे आरोपों का फैंसला निष्पक्ष सुनवाई के जरिए होना चाहिए। उनके मुताबिक, बांग्लादेश के लोगों को स्वतंत्र और सभी को शामिल करने वाली लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए अपनी सरकार चुनने का मौका मिलना चाहिए। हसीना के भारत आने के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बना हुआ है। बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार का कहना है कि हसीना की वापसी और उनके तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जामा खान कमाल को मौत की सजा सुनाई थी। 15 सितंबर 2026 को हसीना सरकार के कुछ पूर्व सहयोगियों को भी सजा सुनाई गई। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यलय की जांच के मुताबिक, जुलाई-अगस्त 2024 के आंदोलन के दौरान करीब 1,400 लोगों की मौत हुई थी।

‘राज्य तैयार तो 2029 में देश में एक साथ चुनाव’,दावा- 7 लाख करोड़ बचेंगे

की सरकार है। सूत्र बताते हैं कि बीजेपी इन राज्यों से सहमति को लेकर आश्वस्त है। बाकी राज्यों को सहमत करने में मशक्कत करनी पड़ रही है। एक संभावना यह भी है कि बीजेपी की सरकार वाले 22 राज्यों को 2029 में साथ ले आएंगे। बाकी राज्य 2034 में आ जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, उत्तराखंड वन नेशन-वन इलेक्शन के पक्ष में है। सरकार ने कहा कि अलग-अलग चुनाव कराने में सबसे ज्यादा दिक्कत है। गांवों तक पहुंचना सबसे बड़ा काम है। किसी-किसी गांव तक पहुंचने में 2-3 दिन तक लग जाते हैं। उतना ही समय लौटने में लगता है। एक बार में चुनाव होगा तो फायदा होगा। दो राज्य कांग्रेस शासित, सिर्फ कर्नाटक ने विरोध किया- गुजरात में बीजेपी सरकार और सीआईआई, एसोसैम जैसे संगठनों ने समर्थन दिया। महाराष्ट्र, हरियाणा और गोवा में भी सकारात्मक रुख मिला। कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश में सरकार का नेगेटिव कर्कट नहीं आया। पंजाब से भी कोई बड़ी आपत्ति नहीं आई। चंडीगढ़ केंद्र शासित है। कर्नाटक में इसका विरोध हुआ। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इसे

राजनीति से प्रेरित और संघवाद को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। समर्थन में सबसे मजबूत दलील- बच्चों की पढ़ाई डिस्टर्ब नहीं होगी- पीपी चौधरी बताते हैं, 'इस प्रावधान के पक्ष में खड़े लोगों का मानना है कि एक साथ चुनाव होने पर शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को इसकी झट्टी में बार-बार नहीं जुटना पड़ेगा। इससे उनके काम प्रभावित नहीं होंगे। कर्नाटक सरकार ने बताया कि उनके यहां चुनाव के लिए डेडिकेटेड कर्मचारी होते हैं।' 'हर राज्य के एजुकेशनल इंस्टीट्यूट की भी कहना था कि साल में कई बार चुनाव होने से स्कूल कैंलेड डिस्टर्ब होता है। टीचिंग स्टाफ बार-बार चुनाव में लगा दिए जाते हैं। लोकसभा से लेकर निकाय चुनाव तक इनकी झट्टी रहती है। स्कूल बूथ में कन्वर्ट हो जाते हैं।' समिति के सामने आए 6 अहम सवाल या आपत्तियां- पहला: क्या ये बिल संविधान के मुताबिक है। उसके बेसिक स्ट्रक्चर में फिट बैठता है, उसके खिलाफ तो नहीं। दूसरा: बिल भारत की संघीय व्यवस्था के खिलाफ तो नहीं है। तीसरा: इस प्रावधान का अर्थव्यवस्था पर क्या असर होगा। चौथा: लोकसभा,

विधानसभा चुनाव साथ कैसे कराएंगे, क्योंकि हर विधानसभा में कार्यकाल अलग-अलग खत्म हो रहा है। पांचवां: अगर एक बार चुनाव साथ हो गया, तो उसे मेंमें कराने में कठिनाई होगी। दूसरा: क्या प्रस्तावित बिल में चुनाव आयोग को अतिरिक्त शक्तियां दी गई हैं। दावा- एक साथ चुनाव कराने से 7 लाख करोड़ का फायदा- इकोनॉमी पर होने वाले असर पर पीपी चौधरी कहते हैं, 'रामनाथ कोविंद कमेटी के अध्यक्ष थे, तब इकोनॉमिस्ट एनके सिंह और प्राची मिश्रा का पेपर आया था। इसमें वन नेशन-वन इलेक्शन को लागू करने का इकोनॉमिक आकलन था। उनके मुताबिक, एक साथ चुनाव कराने से देश की जीडीपी 1.6फीसदी बढ़ जाएगी। इकोनॉमी को 7 लाख करोड़ का फायदा होगा। ये तो सीधा फायदा है, जिसे कैलकुलेट कर सकते हैं। दूसरे फायदे भी ऐसे हैं, 'जिनका कैलकुलेशन नहीं हो सकता।' अगर सरकार बीच में गिर गई तो क्या होगा? इसका जवाब जर्मनी का कंस्टिट्यूट वोट ऑफ़ नो कॉन्फिडेंस

अमेरिका ने भारत को रिफाइनिंग सुपरपावर बताया,विदेश मंत्री बोले- यहां वेनेजुएला का कच्चा तेल साफ होगा

नयी दिल्ली।दोनों देशों के बीच सहयोग अब बुनियादी ढांचे, शिक्षा, खाद्य और कृषि, तकनीक, ऊर्जा, रक्षा और नागरिक उद्यम जैसे कई क्षेत्रों तक फैल चुका है। जयशंकर ने

बड़े रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स का दौरा करेंगे। इस दौरान वे रिलायंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी से भी मिलेंगे। रूबियो रिलायंस के साथ वेनेजुएला का कच्चा तेल



कहा- 'हमारे संबंधों ने वास्तव में लंबा सफर तय किया है। इतिहास में दर्ज है कि कई अमेरिकी भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के समर्थक थे। आजादी के बाद भी हमारी साझेदारी ने भारत के विकास में वास्तविक योगदान दिया है।' जयशंकर ने अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र में भारतीय प्रतिभाओं के योगदान को भी अहम बताया। उन्होंने माना कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के तरीकों को लेकर दोनों देशों के बीच अलग-अलग राय रही है। इसके बावजूद पिछले कुछ दशकों में साझेदारी लगातार बढ़ी है और इसमें सहयोग के नए क्षेत्र जुड़ते गए हैं। मार्को रूबियो और मुकेश अंबानी की कल मुलाकात-अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो बुधवार को जामनगर में दुनिया के सबसे

रिफाइन करने पर बातचीत करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका के टेक्सास में एक ऑइल रिफाइनरी में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है, जो 50 साल में अमेरिका में बनने वाली पहली रिफाइनरी होगी। इसी वजह से यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। रूबियो का जामनगर दौरा 3 वजहों से अहम-1. अमेरिका में डीजल 155 रुपए के पार-अमेरिका में डीजल की कीमतें 6 डॉलर प्रति गैलन के पार हैं, यानी करीब 155 रुपए प्रति लीटर। इसके चलते ट्रक ड्राइवर, किसान और माल ढुलाई कारोबारी परेशान हैं। ट्रम्प सरकार चाहती है कि 3 नवंबर को होने वाले मिड टर्म इलेक्शन से पहले अमेरिका में पर्याप्त डीजल सफाई हो सके।

दावा- सऊदी प्रिंस बंकर वाले महलों में रह रहे,हूतीयों के डर से ठिकाना बदल रहे,इस महीने रियाद एयरपोर्ट पर 20 हमले किए

रियाद। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान हूती

तौर पर चुने गए गार्ड तैनात हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हूती विद्रोहियों



विद्रोहियों के हमले के डर से बंकरों वाले महलों में रहने को मजबूर हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, उनके पास करोड़ों का महल है लेकिन बढ़ते हमलों के डर से उन्हें बार-बार अपना ठिकाना बदलना पड़ रहा है। हतियों ने सऊदी पर हमले बढ़ा दिए हैं। रियाद एयरपोर्ट को अक्टूबर में 20 बार निशाना बनाया गया। इसके चलते एयरपोर्ट बंद है और उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। प्रिंस सलमान की सुरक्षा के लिए चुने गए गार्ड तैनात-सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की सुरक्षा के लिए खास

के हमलों के खतरे को देखते हुए सऊदी अरब अपने शाही महलों और तेल ठिकानों की सुरक्षा भी बढ़ा रहा है। इसके लिए मिसाइलों को हवा में रोकने वाले एयर डिफेंस सिस्टम को अलग-अलग जगहों पर तैनात किया जा रहा है। इस महीने सऊदी के एयरपोर्ट पर हुए बड़े हमले-6 अक्टूबर: जजाना और नजरान के एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। खामिस मुशैत की ओर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को सऊदी एयर डिफेंस ने रोकने का दावा किया। 7 अक्टूबर: रियाद और अभा के एयरपोर्ट पर हमले हुए। सऊदी अधिकारियों

हुए। 8 अक्टूबर: रियाद एयरपोर्ट पर एक और हमला हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, तीन सऊदी नागरिकों की मौत हुई। सरकारी एयरलाइन सऊदिया का एक विमान भी क्षतिग्रस्त हुआ। 10 अक्टूबर: रियाद एयरपोर्ट से मिसाइल हमले में 1 भारतीय नागरिक समेत 13 लोगों की मौत हुई और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए। इसके बाद एयरपोर्ट पर उड़ानें रोकनी पड़ीं। 11 अक्टूबर: रियाद एयरपोर्ट के पर एक मिसाइल या ड्रोन गिरा। एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हुई और 11 लोग घायल हुए।

एसवाई कुरैशी कहते हैं, 'देश में 50 लाख ईवीएम हैं। लोकल चुनाव, विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ होंगे, तो तीन गुना प्रश्नों की जरूरत पड़ेगी।' चुनाव आयोग का दावा है कि तैयारी के लिए सिर्फ 6 महीने चाहिए? कुरैशी कहते हैं, 'ये कैसे पॉसिबल है।' में खुद चुनाव आयुक्त रहा हूं। इनके पास कोई जादू की छड़ी है, तो मैं नहीं कह सकता। सामान्य परिस्थिति में ये नहीं किया जा सकता। 6 महीने तो क्टीन चुनाव की तैयारी में लग जाते हैं।' 2029 तक 23 राज्यों- केंद्रशासित प्रदेशों में चुनाव-2027: उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, गुजरात, मणिपुर, पंजाब और हिमाचल प्रदेश 2028: मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम 2029: महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर 2030: दिल्ली, बिहार 2031: पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, पुडुचेरी वन नेशन-वन इलेक्शन से आम लोगों पर असर- 1. बार-बार चुनाव से सरकारी काम रुकने की समस्या कम होगी- चुनाव घोषित होने के बाद आचार संहिता लागू होती है। इससे सरकार नए काम या घोषणाएं नहीं कर सकती।

13 साल की बेटी हकलाती है,बच्चे मजाक उड़ाते हैं, क्लास में कुछ बोलती नहीं, हमेशा चुप रहती है,कैसे हेल्प करें

जयपुर। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फॅमिली एंड चाइल्ड

जज न किया जाए और उन्हें सपोर्ट किया जाए। ऐसे में पेरेंट्स का पहला कदम बच्चे को तुरंत सुधारने की

टीचर से बात करें। बच्चे को जवाब देने के तरीके सिखाएं। क्यों जरूरी? बुलीइंग बच्चों वे

के लिए पूरा समय दें। बातचीत का माहौल हल्का रखें। क्यों जरूरी? अच्छा कम्युनिकेशन बच्चे को बिना दबाव के खुद को एक्सप्रेस करना सिखाता है। फायदा-स्पीच फ्लुएन्सी में सुधार होता है। बच्चा अपनी बात रखने में सहज होता है। क्या डांटने से हकलाना कम होता है?

डांटने या बार-बार सुधारने से हकलाना कम नहीं होता, बल्कि बढ़ जाता है। इससे बच्चे में डर, झिझक और एंजाइटी बढ़ती है, जिससे वह बोलने से बचने लगता है। ऐसे में बच्चे को सपोर्ट की ज्यादा जरूरत होती है। पेरेंट्स क्या गलतियां करते हैं? कई बार माता-पिता अनजाने में ऐसी बातें या व्यवहार करते हैं, जो बच्चे की हकलाहट को कम करने की बजाय बढ़ा सकते हैं। ये छोटी-छोटी गलतियां बच्चे वे आत्मविश्वास और बोलने की सहजता पर गहरा असर डालती हैं। पेरेंट्स न करें ये गलतियां- बीच में टोकना। जल्दी बोलने के लिए कहना। दूसरों से तुलना करना। मजाक में लेना। बच्चे की बात खुद पूरी कर देना। ओवर-प्रोटेक्ट करना। लोगों के सामने चर्चा करना। डेली रूटीन प्रैक्टिस प्लान-जो बच्चे हकलाकर बोलते हैं, उनके लिए एक डेली प्रैक्टिस

आत्मसम्मान को गहराई से प्रभावित करती है। फायदा-बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है।

डर और शर्म कम होती है। 5. बच्चे की ताकत पहचानें-उसकी रुचियों और टैलेंट पर ध्यान दें। उसे उन एक्टिविटीज में प्रोत्साहित करें, जो उसे पसंद हो।

कोशिश करना नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित और सहज महसूस कराना होना चाहिए। जब बच्चा बिना डर और झिझक के अपनी बात कह पाएगा, तभी उसकी बोलने की फ्लुएन्सी धीरे-धीरे अपने आप बेहतर होने लगेगी। इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स धैर्य रखें और सही तरीके से उसका साथ दें। नीचे ग्राफिक में

हकलाहट कैसे दूर करें?

काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं इंदौर से हूं। मेरी 13 साल की बेटी हकलाती है। हमने इसे सुधारने की बहुत कोशिश की। डॉक्टरों को दिखाया, स्पीच थेरेपिस्ट के पास गए, लेकिन कोई खास सुधार नहीं हुआ। वो जैसे-जैसे बड़ी हो रही हैं, अपने बोलने को लेकर बहुत कॉन्फ़ास होती जा रही है। बचपन से ही बच्चे स्कूल में उसका मजाक उड़ाते रहे हैं। इसलिए वह क्लास में भी कुछ नहीं बोलती। अब तो सबसे अलग-थलग और चुपचाप रहने लगी है। हमें समझ नहीं आता कि हम क्या करें। उसे कैसे समझाएं, कैसे सपोर्ट करें। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। सबसे पहले तो मैं यह बताना चाहूंगी कि आप अकेली नहीं हैं। आपकी तरह बहुत से माता-पिता इस स्थिति से गुजरते हैं। हकलाना कोई 'कमजोरी' नहीं है, बल्कि यह एक स्पीच फ्लुएन्सी डिसऑर्डर है, जो अक्सर भावनात्मक दबाव, आत्मविश्वास की कमी या न्यूरोलॉजिकल कारणों से जुड़ा होता है। 'द स्टर्टरिंग फाउंडेशन' के मुताबिक, दुनियाभर में लगभग 1 फीसदी यानी 8 करोड़ से ज्यादा लोग हकलाते हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में यह समस्या लगभग चार गुना ज्यादा होती है। करीब 5फीसदी बच्चे उम्र के किसी-न-किसी दौर में

ऐसे ही आसान और एक्शन लेने योग्य टिप दिए गए हैं। आइए अब इन पॉइंट्स को विस्तार से समझते हैं- 1. बच्चे की बात ध्यान से सुनें, बच्चे की बात पूरी होने दें। बीच में

उसकी उपलब्धियों को नोटिस करें। क्यों जरूरी? जब बच्चा अपनी स्ट्रूथ पहचानता है, तो वह अपनी कमजोरी से ऊपर उठ पाता है। फायदा-आत्मसम्मान बढ़ता



हकलाहट का सामना करते हैं। इनमें से लगभग 75फीसदी बच्चे बड़े होते-होते ठीक हो जाते हैं, जबकि करीब 1फीसदी में यह समस्या लंबे समय तक बनी रहती है। आपकी बेटी अभी टीनएजर है। ये उम्र वैसे भी थोड़ी जटिलनेबल होती है। ऐसे में उसका कॉन्फ़ास होना और क्लास में बोलने से बचना बिल्कुल स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। लेकिन अच्छी बात यह है कि सही सपोर्ट और समझदारी से आप इसमें सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। बच्चा रुक-रुककर क्यों बोलता है? बच्चे का रुक-रुककर बोलना सिर्फ एक साधारण बोलने का तरीका भर नहीं है। इसके पीछे कई कारण होते हैं। हर बच्चे में इसकी वजह अलग हो सकती है। कुछ बच्चों में यह डर या झिझक से जुड़ा होता है, तो कुछ में सोचने और बोलने की गति में तालमेल न होने से होता है। कई बार घर का माहौल, पेरेंट्स का व्यवहार और बच्चे के अपने अनुभव भी इस पर असर डालते हैं। इसलिए इस समस्या को समझने के लिए इसके असली कारण तक पहुंचना और उसे समझना जरूरी है। बच्चे पर इसका क्या असर पड़ता है? जिन बच्चों को बोलने में समस्या होती है, वे सोचते हैं- 'मैं ठीक से बोल नहीं पाता/पाती।' 'लोग मुझे जज करेंगे।' 'सब मेरा मजाक उड़ाएंगे।' 'मेरा चुप रहना ही बेहतर है।' यही सोच धीरे-धीरे बच्चे पर हावी हो जाती है। लंबे समय में उसके मनोविज्ञान पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जो बच्चे हकलाकर बोलते हैं, उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत इस बात की होती है कि उन्हें समझा जाए, उन्हें

उसकी बात खुद पूरी न करें। क्यों जरूरी? जब बच्चे को बिना जज किए सुना जाता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। फायदा-बच्चा खुलकर बोलता है। झिझक कम होती है। 2. इमोशनल सपोर्ट दें

बच्चे से रोज 10-15 मिनट बिना किसी जजमेंट के बात करें। जब वह बोले तो बीच में टोकने या सुधारने से बचें। उसकी बात पर रिएक्ट करने की बजाय पहले उसे ध्यान से सुनें। 'मैं तुम्हारे साथ हूँ', जैसे प्रतिक्रिया देने वाले शब्द कहें। उसके डर या शर्म को हल्के में न लें। घर में ऐसा माहौल बनाएं, जहां वह खुलकर बोल सके। क्यों जरूरी? जब बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है, तब उसकी झिझक दूर होती है। हकलाने की वजह अक्सर डर और एंजाइटी होती है। इमोशनल सपोर्ट मिलने पर धीरे-धीरे सबकुछ सामान्य हो जाता है। फायदा-बच्चा खुलकर अपनी बात रखने लगता है। आत्मविश्वास बढ़ता है। बोलने का डर कम होता है। पेरेंट्स और बच्चे के बीच बॉन्ड मजबूत होता है। हकलाहट धीरे-धीरे कम हो जाती है। 3. कोशिश की तारीफ करें-रिजल्ट की नहीं, कोशिश की तारीफ करें। छोटे-छोटे सुधार को नोटिस करें। पॉजिटिव शब्दों का इस्तेमाल करें। क्यों जरूरी? तारीफ बच्चे को आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करती है। फायदा- आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चा प्रयास करना जारी रखता है। 4. बुलीइंग को इग्नोर न करें स्कूल में बुलीइंग होने पर

हैं। पॉजिटिव सोच विकसित होती है। 6. बच्चे को जज न करें- 'तुम सही से क्यों नहीं बोलते?' जैसे सवाल न पूछें। दूसरे बच्चों से तुलना न करें। उसके बोलने की स्पीड को कम न करें। क्यों जरूरी? जजमेंट बच्चे में शर्म और डर पैदा करता है। फायदा-बच्चा सहज महसूस करता है। खुद को स्वीकार करना सीखता है। 7. पॉजिटिव स्टोरीज सुनाएं-ऐसे लोगों की कहानियां सुनाएं, जिन्होंने हकलाहट के बावजूद सफलता पाई। मोटिवेशनल उदाहरण दें। स्टोरी के बिना शर्त न दें। बच्चे को उम्मीद और प्रेरणा देते हैं। फायदा-बच्चा खुद को सीमित नहीं समझता है। उसे आगे बढ़ने का हौसला मिलता है। 8. धैर्य बनाए रखें-बच्चे को समय दें। बहुत जल्दी सुधार की उम्मीद न रखें।

शांत और सपोर्टिव रहें। क्यों जरूरी? हकलाहट में सुधार एक धीमी प्रक्रिया है। इसलिए धैर्य बनाए रखना जरूरी है। फायदा-बच्चा दबाव महसूस नहीं करता है। धीरे-धीरे सुधार होने लगता है। 9. प्रोफेशनल हेल्प लें-स्पीच थेरेपिस्ट से सलाह लें। जरूरत हो तो काउंसलिंग कराएं। नियमित फॉलो-अप रखें।

क्यों जरूरी? कभी-कभी सही दिशा के लिए एक्सपर्ट गाइडेंस जरूरी होती है। फायदा-सही तकनीक से सुधार तेज होता है। बच्चे को प्रोफेशनल सपोर्ट मिलता है। 10. कम्युनिकेशन पर फोकस करें-धीरे और स्पष्ट बोलने का उदाहरण दें। बच्चे को बोलने

रूटीन बनाना जरूरी है। इससे उनमें जल्द सुधार होगा। इसे नीचे पॉइंटर्स से समझिए-1. ब्रीदिंग एक्ससाइज (5 मिनट) धीरे-धीरे गहरी सांस लेने को कहें। कुछ सेकेंड बीच में सांस रोककर धीरे-धीरे छोड़ने को बोलें। इसे 5-6 बार रिपीट कराएं। फायदा: बोलते समय एंजाइटी कम होगी, दिमाग शांत रहेगा। मिरर प्रैक्टिस (5-7 मिनट)

बच्चे को शीशे के सामने खड़ा करके धीरे-धीरे बोलने को कहें। छोटे-छोटे वाक्यों से प्रैक्टिस कराएं। फायदा: सेल्फ अवेयरनेस और कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। लाउ रीडिंग (5-8 मिनट) कोई आसान स्टोरी या किताब जोर से पढ़ने को कहें। इस दौरान जल्दबाजी न कराएं। फायदा: आवाज में कंट्रोल आएगी। स्कूल टाइम प्रैक्टिस-बोलने के लिए छोटे गोल सेट करने को कहें। जैसे 'प्रेजेंट मेंम' बोलना। फायदा: छोटी-छोटी जीत से कॉन्फिडेंस बनता है। बुलीइंग रीस्पॉन्स प्रैक्टिस

बच्चे को 2-3 सिंपल जवाब सिखाएं। जैसे- 'मुझे बोलने में समय लगता है, लेकिन मैं बोल सकता हूँ।' 'तुम हंसो मत, ये ठीक नहीं है।' फायदा: इससे बच्चा हेल्पलेस नहीं, इम्पावर्ड महसूस करता है। फ्री टॉक टाइम (10 मिनट) बच्चे से पूछें- 'आज स्कूल में क्या हुआ?' बिना टोके उसकी बात पूरी सुनें। फायदा: यह इमोशनल रिलीज और फ्लुएन्सी स्टोरीटेलिंग गेम (5-10 मिनट) एक छोटी कहानी बनाने को कहें। आप भी साथ में पार्टिसिपेट करें। फायदा: फन और प्रैक्टिस दोनों होता है। एंजाइटी कम होती है। रोल प्ले (5-10 मिनट) एक्टिंग करें। जैसे टीचर-स्टूडेंट या दुकान वाला-ग्राहक।

फायदा: इससे रियल लाइफ सिचुएशंस की प्रैक्टिस हो जाती है। पॉजिटिव रीइन्फोर्समेंट (रात में 10 मिनट) दिन में जो भी छोटा इम्पूवमेंट हुआ, उसकी तारीफ करें। कहें- 'तुमने आज बहुत अच्छे से कोशिश की।' फायदा: डर, शर्म और झिझक दूर होती है। अंत में यही कड़वी कि हकलाना कोई कमी नहीं है।

इसे समझ और सही सपोर्ट से काफी हद तक ठीक किया जा सकता है। इस स्थिति में बच्चे को बदलने की नहीं, उसे स्वीकार करने और उसका आत्मविश्वास बढ़ाने की जरूरत होती है। इसके लिए सबसे जरूरी है, घर का माहौल सुरक्षित, धैर्यपूर्ण और पॉजिटिव रहे।

किम कार्दशियन हुई 46 की, क्लोदिंग स्टोर वर्कर से बनी ग्लोबल स्टार,कहानी जीवन के उतार-चढ़ाव की

पेरिस। ग्लोबल मीडिया पर्सनैलिटी किम कार्दशियन आज 46 साल की हो चुकी हैं। आज 17 हजार करोड़ की संपत्ति की मालकिन किम कार्दशियन कुछ सालों पहले तक आम सी जिंदगी जीती थीं और एक क्लोदिंग स्टोर में नौकरी करती थीं, लेकिन फिर पेरिस हिल्टन जैसे नामी लोगों से उनकी दोस्ती ने उन्हें लाइमलाइट में ला दिया। साल 2007 में आया एक सेक्स टेप, जिसे कथित तौर पर किम ने खुद बेचा था। इस टेप से कई विवाद हुए। कभी कहा गया कि ये टेप उनके बॉयफ्रेंड रे जे. ने नशे में बनाया और बिना उनकी अनुमति बेचा। यह भी कहा गया कि किम ने जानबूझकर इसे सार्वजनिक किया। चाहे ये पब्लिसिटी स्टंट हो या धोखा, किम ने रातोंरात पहचान बना ली और फिर हर वो काम किया, जो लोगों का ध्यान खींच सकता था। कभी उन्होंने खुद पर वीडियो गेम बनाया, कभी परफ्यूम बनाया, तो कभी सौतेली बहनों और परिवार के साथ जिंदगी पर रियलिटी शो बना दिया। समय के साथ किम ने पॉपुलैरिटी हासिल की और आज वो दुनिया की सबसे रईस सेलिब्रिटीज में शामिल हैं। लजरी जिंदगी की शौकीन किम कार्दशियन ने एक प्राइवेट जेट भी खरीदा है, जिसे वो किम एयर कहती हैं। 1300 करोड़ के इस जेट से एक बार किम महज एक 1300 रुपए का चीजकेक खान पेरिस गई थीं। आज किम कार्दशियन के बर्थडे के खास मौके पर जानिए क्लोदिंग स्टोर की नौकरी से लेकर ग्लोबल स्टारडम हासिल करने और साथ मिले कुछ विवादों की कहानी-21 अक्टूबर 1980 को किम कार्दशियन का जन्म लॉस एंजिलिस में मशहूर वकील रॉबर्ट कार्दशियन और बिजनेसमैन क्रिस कार्दशियन के घर हुआ। किम से बड़ी बहन कोर्टनी हैं, जिनके बाद छोटी बहन क्लो और भाई रॉब। 1991 में उनकी मां क्रिस ने 1976 समर ओलिंपिक के विनर कैटलिन जेनर (ब्रूस) से शादी की। इस शादी से हुई केंडल जेनर और काइली जेनर उनकी सौतेली बहनें हैं। किम ने लॉस एंजिलिस के मैरीमाउंट हाईस्कूल से पढ़ाई की। टीनएज में किम की दोस्ती पेरिस हिल्टन से हुई। पेरिस हिल्टन, हिल्टन होटल के फाउंडर कोनार्ड हिल्टन की पोती हैं। बढ़ती उम्र के साथ पेरिस हिल्टन, सेलिब्रिटी बन गईं। उनके साथ पार्टी और ड्रवें में जाते हुए किम कार्दशियन का परिचय फेम से हुआ। कार एक्सीडेंट के बाद पिता के कहने पर की कपड़ों की दुकान में नौकरी-किम 16 साल की थीं, जब उनका कार एक्सीडेंट हुआ। कार दुर्घटनाग्रस्त हुई, तो पिता ने इस शर्त पर दूसरी कार दिलाई कि उन्हें इसका खर्चा खुद निकालना होगा। पिता की इस शर्त के अनुसार, किम ने महज 16 साल की उम्र में लॉस एंजिलिस की बॉडी नाम की कपड़ों की दुकान में 4 सालों तक काम किया। किम 19 साल की थीं, जब उन्हें म्यूजिक प्रोड्यूसर डेमेन थॉमस से प्यार हो गया। परिवार ने आपत्ति जताई तो किम ने 2000 में घर से भागकर शादी कर ली। किम ने नौकरी भी छोड़ दी। लेकिन चंद महीनों में ही दोनों अलग हो गए। किम ने आरोप लगाए कि डेमेन ने शादी के दिन एक्ट्रेस नाम का नशीला पदार्थ दिया और साथ ही शादी के भावनात्मक शोषण किया। तलाक की प्रोसेस के बीच वह सिंगर एक्ट्रेस ब्रांडी की पर्सनल स्टाइलिस्ट बनीं। इस दौरान उनकी मुलाकात ब्रांडी के भाई रैपर रे जे. से हुई। तलाक के बाद किम ने रे जे. को डेट करना शुरू कर दिया। नामी लोगों के साथ समय बिताते हुए किम कार्दशियन लाइमलाइट में रहने लगी और उन्हें खूब मीडिया अटेंशन भी मिली। लेकिन साथ ही कुछ बड़े आरोप भी हिस्से में आए। 2004 में ब्रांडी और बॉयफ्रेंड रे जे. की मां सोजा ने आरोप लगाए कि उन्होंने किम को एक मामूली खर्च के लिए अपना अमेरिकन एक्सप्रेस कार्ड दिया था, लेकिन किम ने बिना बताए बहनों कोर्टनी और खोए के लिए डेढ़ लाख डॉलर का सामान खरीद लिया। विवादों के बीच रे जे. ने दोनों के बीच समझौता करवाया और मुकदमा खत्म कर दिया गया। विवाद के बीच किम, सिंगर ब्रांडी का काम छोड़कर पेरिस हिल्टन की पर्सनल स्टाइलिस्ट बन गईं। वो पेरिस हिल्टन की रियलिटी सीरीज 'द सिंपल लाइफ' में भी नजर आई थीं। उन्हें कई मौकों पर पेरिस हिल्टन के साथ स्पॉट किया गया। किम आज भी अपनी पॉपुलैरिटी का क्रेडिट पेरिस

हिल्टन को देती हैं। सेक्स टेप रिलीज होने से विवादों से घिरीं, सफाई में कहा- बॉयफ्रेंड ने नशे में रिकॉर्डिंग की- फरवरी 2007 में विविड एंटरटेनमेंट ने किम कार्दशियन और बॉयफ्रेंड रे जे. का एक सेक्स टेप रिलीज किया, टाइटल था किम कार्दशियन सुपरस्टार। कथित तौर पर ये सेक्स टेप किम और रे ने 2003 में वेंकेशन के दौरान बनाया था। टेप रिलीज होते ही किम



ओवरनाइट चर्चा में आ गईं। सफाई में उन्होंने कहा कि ये टेप, नशे देकर बनाया गया और इसे रिलीज करने से पहले उनकी इजाजत नहीं ली गई। किम ने मानहानि का मुकदमा किया। 3 महीने बाद ये मुकदमा 5 मिलियन डॉलर यानी 47 करोड़ में सेटल हुआ। 6 हफ्तों में ही टेप की बिक्री करीब 15 करोड़ की हुई।चर्चा में आने के बाद किम कार्दशियन, उनकी मां, सौतेले पिता और भाई-बहनों के साथ एक टीवी रियलिटी शो कीर्पिंग अप विद द कार्दशियन शुरू हुआ। रियलिटी शो में परिवार की लजरी लाइफ काफी पसंद की गई और शो हिट हो गया। आगे इसके स्पिन ऑफ कोर्टनी एंड किम टेक न्यूयॉर्क और कोर्टनी एंड किम टेक मियामी भी रिलीज किए गए। ये सीरीज 2007 से शुरू होकर 2021 तक चली। इसके कुल 294 एपिसोड आए, जिससे किम की पहचान में अपनी सौतेली बहनों कोर्टनी जेनर और वेंडल जेनर को भी काफी पॉपुलैरिटी मिली। इस शो से ही किम कार्दशियन इंटरनेशनल स्टार बनीं। अमेरिकी कंपनी ने किम की बनाई सेक्स डॉल, विवाद हुआ- 2010 में अमेरिकन कंपनी पाइप्टीम प्रोडक्ट ने किंकी किम किंकी लव डॉल नाम की एडल्ट सेक्स डॉल बनाई। डॉल काफी हद तक किम से मिलती थीं। किम का नाम रखने पर जनकर विवाद हुआ, किम ने केस कर प्रोडक्शन रोकने की मांग की। हालांकि कंपनी ने सफाई में कहा कि नाम और बनावट मिलना महज संयोग है। रॉबरी ने गर्नाप्ट पर बनाया गया बंधक- 2 अक्टूबर 2016 को पेरिस फैंशन वीक में शामिल होने के दौरान किम कार्दशियन के साथ बंदूक की नोक पर लूटपाट हुई। पांच लोग पुलिस अधिकारियों के भेष में उस अपार्टमेंट में घुसे, जहां किम ठहरी हुई थीं। उन्होंने किम के हाथ-पैर बांध दिए, उनका मुंह बंद कर दिया और करीब 1 करोड़ डॉलर (तब लगभग 67 करोड़ रुपये) के गहने लूट लिए। किम के कमरे तक पहुंचने के बाद उन्होंने उनके सिर पर बंदूक तान दी और अंगूठी देने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने किम के हाथों और पैरों को जिप टाई से बांध दिया और उनकी आंखों और मुंह पर डक्ट टेप लगा दी। किम ने किसी तरह अपनी कलाइयों पर बंधी जिप टाई से हाथ छुड़ाए और मदद के लिए चिल्लाईं। गहनों का बॉक्स मिलने के बाद लुटेरे वहां से फरार हो गए। निजी जिंदगी से भी बटोरीं सुर्खियां- 19 की उम्र में शादी, 3 साल बाद तलाक लिया-19 साल की उम्र में किम ने घर से भागकर म्यूजिक डायरेक्टर से शादी की, जो 3 साल में टूट गए। आगे उन्होंने रैपर रे जे. को डेट किया, लेकिन सेक्स टेप रिलीज होने के बाद दोनों ने ब्रेकअप कर लिया। इसके बाद 2007 में उनका रिश्ता फुटबॉल प्लेयर रेगी बुश से रहा। जुलाई 2009 में दोनों अलग हुए और सितंबर में फिर पैचअप कर लिया। हालांकि जल्द ही दोनों पूरी तरह अलग हुए। 2010 में किम ने कुछ महीनों के लिए नेशनल फुटबॉल लीग प्लेयर माइल्स ऑस्टिन से भी डेट किया। 72 दिन में टूट गई दूसरी शादी- 2011 में किम ने बार्स्केटबॉल प्लेयर क्रिस हम्फ्रीज से सगाई गई। इसी साल दोनों ने शादी भी की। इनकी शादी की तैयारियों पर भी एक टीवी रियलिटी शो बनाया गया। शादी के 72 दिन बाद ही किम ने तलाक की अर्जी दे दी। तब कहा गया कि किम की शादी महज एक पब्लिसिटी स्टंट थी। तब टीवी चैनल ने किम की शादी से जुड़े सभी शो हटाने के लिए एक

पिटीशन भी चलाई गई थी। कान्ये वेस्ट ने तलाक का लिया बदला, हमशक्ल से की शादी- तलाक की प्रोसेस के बीच ही किम ने 2012 में रैपर कान्ये वेस्ट को डेट करना शुरू कर दिया। जबकि उनका तलाक 2013 में हुआ। इसी साल किम ने बर्थडे के दिन कान्ये से सगाई की। मई 2014 में दोनों ने शादी की। शादी के बाद से ही किम की पॉपुलैरिटी दुनिया भर में बढ़ने लगी और वो बड़ी ब्रांड

डील साइन करते हुए रईस सेलेब्स में गिनी गईं। इस शादी से उन्हें 4 बच्चे हुए। ये शादी लंबी चली, लेकिन फरवरी 2021 में किम ने तलाक फाइनल कर दिया। 2022 में तलाक हुआ, जिसके बाद दोनों को बच्चों की जॉइंट कस्टडी मिली। किम से तलाक लेने के बाद कान्ये ने आर्टिस्ट बियान्का से शादी की, जो हबहू किम कार्दशियन की तरह दिखती हैं। कान्ये से अलग होने के बाद किम एक्टर-कॉमेडियन पेट डेविडसन के साथ रिलेशनशिप में रहीं, लेकिन 1 साल बाद दोनों अलग हो गए। इसके बाद किम की जिंदगी में फुटबॉल प्लेयर ओडेल बेकहम जूनियर आए। ओडेल से ब्रेकअप के बाद अब किम ब्रिटिश फॉर्मूला वन ड्राइवर लुइस हैमिल्टन को डेट कर रही हैं। क्लोदिंग स्टोर से लेकर परफ्यूम ब्रांड, वीडियो गेम तक बिजनेस में बनाई पकड़- 2006: डैश बुटीक: किम ने अपनी बहनों कोर्टनी और खोए के साथ कैलिफोर्निया में डैश नाम से कपड़ों और फेशन एक्सेसरीज का बुटीक शुरू किया। इसके स्टोर लॉस एंजिलिस, मियामी और न्यूयॉर्क में भी खुले। 2013 में किम ने फेशन एक्सेसरीज का बुटीक कलेक्शन से करीब रु3,600 करोड़ की बिक्री होने की खबर थी। रियलिटी शो में इन स्टर्स को प्रमुखता मिली, लेकिन अप्रैल 2018 में सभी स्टोर बंद कर दिए गए। 2009- शू डेजल: किम ने बिजनेसमैन ब्रायन ली और रॉबर्ट सफिरो के साथ शू डेजल नाम का ऑनलाइन फुटवियर बिजनेस शुरू किया। ये सबक्रिप्शन मॉडल था। बाद में यह कंपनी लूड्स के साथ जुड़ गई। इस बिजनेस से किम को फैंशन के लिए के डिजिटल मॉडल से जोड़ा। 2011- कार्दशियन कलेक्शन: किम ने अपनी बहनों के साथ सिंगर के लिए कार्दशियन कलेक्शन नाम से कपड़ों, जूतों और एक्सेसरीज की लाइन लॉन्च की। 2014- किम कार्दशियन हॉलीवुड वीडियो गेम: किम ने मोबाइल गेमिंग कंपनी ग्लू मोबाइल के साथ मिलकर यह गेम लॉन्च किया। इसमें खिलाड़ी अपने किरदार को फैंशन, मॉडलिंग, एक्टिंग और सेलिब्रिटी इवेंट्स के जरिए हॉलीवुड स्टार बना सकते थे। गेम ने इन-ऐप खरीदारी से उस साल का सबसे पॉपुलर गेम बना। हालांकि, 8 अप्रैल 2024 को इसे पूरी तरह बंद कर दिया गया। साल दर साल बढ़ी कमाई, मौजूदा नेटवर्थ 17,100 करोड़- किम कार्दशियन की मई 2014 में संपत्ति करीब रु270 करोड़ थी। 2015 में फोर्ब्स के मुताबिक, उनकी सालाना कमाई 2014 के रु168 करोड़ से बढ़कर लगभग रु318 करोड़ हो गई थी। 2013 में किम एक सोशल मीडिया पोस्टर के लिए लगभग रु1.8 करोड़ से रु3 करोड़ तक लेती थीं। जुलाई 2018 तक उनकी कुल संपत्ति बढ़कर करीब रु2,100 करोड़ हो गई थी। अप्रैल 2021 में वह अरबपति बनीं। उनकी संपत्ति बढ़ने में शेपवियर कंपनी स्कीम्स,केकडब्यू ब्यूटी, रियलिटी टीवी, ब्रांड एंडोर्समेंट की अहम भूमिका रही। दिसंबर 2024 तक फोर्ब्स ने उनकी कुल संपत्ति करीब रु14,450 करोड़ आंकी थी। इस तरह किम दुनिया की सबसे अमीर सेलिब्रिटीज में शामिल हो गईं। 2023 तक किम एक इन्स्टाग्राम पोस्टर के रु15 करोड़ चार्ज करती थीं। मौजूदा समय में वह हर पोस्टर के 47 करोड़ चार्ज करती हैं। फोर्ब्स, सितंबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, किम कार्दशियन की मौजूदा नेटवर्थ 1.9 अरब डॉलर यानी करीब रु17,100 करोड़ रुपए है। किम के घरों और रियल एस्टेट पोर्टफोलियो की कुल अनुमानित

कीमत 100 मिलियन डॉलर यानी करीब रु900 करोड़ से ज्यादा बताई गई है। किम कार्दशियन अपने काम से दूर खाली वक्त में अपने परिवार वें साथ कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में बनी अपनी हवेली पर रहना पसंद करती हैं। 2022 में उन्होंने इस हवेली को खरीदा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 4,239 स्क्वायर फीट में फैली इस हवेली की कीमत 500 करोड़ रुपए है। किम के पास उल्टीस 365टी प्राइवेट जेट है, जिसे खर्च कहा जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान की खरीद और कस्टमाइजेशन पर कुल करीब 150 मिलियन डॉलर यानी रु1,350 करोड़ खर्च हुए। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, 2013 में प्रेग्नेंट किम को पेरिस के होटल कॉस्टेस का स्पेशल चीजकेक खाने की क्रेविंग हुई। वह अमेरिका में थीं। चीजकेक खाने के लिए वह प्राइवेट जेट से पेरिस पहुंच गईं। किम कार्दशियन ने चंद रुपए के चीजकेक के लिए लाखों रुपए खर्च किए। होटल कॉस्टेस में चीजकेक की कीमत लगभग 1200 से 1300 रुपए है। किम कार्दशियन लजरी घड़ियों की शौकीन हैं। उनके पास 1 करोड़ की ओडेमर्स पिगुएट रॉयल ओक कैलेंडर रोजगोल्ड वॉच हैं, जिसे बनाने में 1 साल से ज्यादा का समय लगता है। ओडेमर्स पिगुएट एसए लजरी घड़ी बनाने वाली एक स्विस कंपनी है। ये कंपनी 1875 से घड़ियां बना रही है। इसके दुनियाभर में 400 से ज्यादा डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर हैं। किम के पास एक घड़ी 61 लाख की भी है। ऑर्जेकब एंड को कैसियो जी-शॉक एक्स बैच डीडब्यू-6900 डायमंड वॉच नाम की यह घड़ी एक लिमिटेड एडिशन वॉच है। इस मॉडल की केवल 100 घड़ियां बनाई गई हैं। भारतीय खाने को कहा घिनोना, विवाद होने पर माफी मांगी- किम के रियलिटी शो कीर्पिंग अप विद द कार्दशियन के एक एपिसोड में अपनी बहनों केंडल और काइली जेनर से पूछा कि क्या उन्होंने कभी भारतीय खाना खाया है। केंडल ने जवाब दिया, यह घिनोना है। इस पर किम ने भी कहा, 'घिनोना है न?' एपिसोड आते ही विवाद हो गया, जिस पर किम ने सफाई में अपने कॉफ़ पर लिखा कि उनका इरादा भारतीय लोगों या उनकी संस्कृति का अपमान करना नहीं था। उन्होंने कहा कि यह उनकी निजी पसंद का मामला था। भारत में खोया डायमंड, भावाना गणेश की मूर्ति के पोज देने पर भी हुआ विवाद- किम कार्दशियन पहली बार 11 जुलाई 2024 को अन्त-राष्ट्रिय किम की फैंशन के लिए भारत आई थीं। किम के साथ उनकी बहन क्लोए भी भारत आईं। दोनों ने इंडियन डिजाइनर मनीष महेशोत्रा के डिजाइनर लहंगे पहने।इंडियन सेरेमनी के दौरान दोनों ने हैवी डायमंड जूली पहनीं। ऐश्वर्या से बात करते हुए उनके हार का एक डायमंड टूटकर गिर गया था। कुछ समय बाद किम ने भगवान गणेश की मूर्ति के साथ एक तस्वीर शेयर की, पोज की आलोचना होने पर किम को पोस्ट डिलीट करनी पड़ी। दोनों ने भारत में बिताए 48 घंटों को रियलिटी शो द कार्दशियन में दिखाया था। इस दौरे के बाद किम कार्दशियन ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि जिस तरह के मसालों के बाजार अलादीन में दिखाए जाते हैं, वैसे ही उन्हें देखने मिलेगा, लेकिन भारत आकर उन्हें ऐसा कुछ देखने नहीं मिला। उनका ये बयान भी विवादों में रहा था।

स्वताधिकारी एवं मुद्रक

डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41युपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.नं.09415608710 RNNIO.UPHIN:210563398 www.adhuniksamachar.com नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आरबी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सम्पन्न विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।